

سَيَقُولُ السُّفَهَاءُ مِنَ النَّاسِ مَا وَلَدَهُمْ هَذَا

قَبْلَهُمْ الَّذِي كَانُوا عَلَيْهِمْ قُلْ إِنَّهُ الشَّرِيقُ

وَالْمَغْرِبُ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۝

وَكَذَلِكَ جَعَلْنَاكُمْ أُمَّةً وَسَطًا لِتَكُونُوا شُهَدَاءَ

عَلَى النَّاسِ وَيَكُونَ الرَّسُولُ عَلَيْكُمْ شَهِيدًا ۝ وَمَا

جَعَلْنَا الْقِبْلَةَ الَّتِي كُنْتَ عَلَيْهَا إِلَّا لِنَعْلَمَ مَنْ

يَتَّبِعُ الرَّسُولَ مِمَّنْ يَنْقَلِبُ عَلَى عَقْبَيْهِ ۝ وَإِنْ

كَانَتْ لِكَيْبَرَةٍ إِلَّا عَلَى الَّذِينَ هَدَى اللَّهُ وَمَا كَانَ اللَّهُ

لِيُضِلَّ عَمَّا كُنْتُمْ ۝ إِنَّ اللَّهَ بِالنَّاسِ لَءَوُّفٌ رَحِيمٌ ۝

قَدْ نَرَى تَقَلُّبَ وَجْهِكَ فِي السَّمَاءِ فَلَنُوَلِّيَنَّكَ

قِبْلَةً تَرْضَاهَا فَوَلِّ وَجْهَكَ شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ

وَحَيْثُ مَا كُنْتُمْ فَوَلُّوا وُجُوهَكُمْ شَطْرَهُ ۝ وَإِنْ

الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ لَيَعْلَمُونَ أَنَّهُ الْحَقُّ مِنْ

رَبِّهِمْ

स-यकुलुस सु-होहि मिनन नासि

अब कहेंगे वे वक्क लोग

भा वल्लाहुम अन डिबलतिहिमुल लती

किसने फेर दिया मुसलमानों को उनके उस दिबले से

कानू अलय्हा ७ कुल विल्लाहिल मश्दिहु

जिसपर थे. तुम फेरमा दो पूरब पश्चिम सब अल्लाह

वल मश्दिह ७ यहदी मय् यशाहि

ही का है, जिससे याहे

धला सिरातिम मुस्तफीम ० व क़मालिका

सीधी राह यलाता है. और बात यूँही है के

जअल्लाहुम उम्मतं व व-सतल

हमने तुम्हें किया सब उम्मतोंमें अक़ल

लि-तकून शु-होहिआ अलन नासि व यकूनर रसूलु अलय्कुम शहीदा ७

के तुम लोगों पर गवाह हो और ये रसूल तुम्हारे निगेहबान व गवाह,

वमा जअल्लल डिबलतल लती कुन्ता अलय्हो धल्ला लि-नर-लमा

और अय महबूब तुम पेहले जिस दिबले पर थे हमने वो ँसीखिअ मुकर्रर किया था के देखें

मय् यत्तभिडिर रसूला मिमंय् यन्कलिनु अला अकिंजैह ७

कौन रसूल की पैरवी करता है और कौन उल्टे पांव फिर जाता है,

व धन कानत ल-कभी-रतन धल्ला अलल लगीना हदल्लाह ७ वमा

और बेशक ये लारी थी मगर उनपर जिन्हें अल्लाहने छिदायत की, और

कानल्लाहु लि-युदीआ धमा-नकुम ७ धन्नल्लाहा मिन्नासि ल-रडिकुर

अल्लाह की शान नहीं के तुम्हारा धमान अकारत करे, बेशक अल्लाह आदमियों पर बहुत मेहरबान

रहीम ० इद नरा तकल्लुजा वजिहका हिस समोय् ८ इ-लनुपल्लियन्नका

महेर वाला है. हम देख रहे हैं बारबार तुम्हारा आसमानकी तरफ मुंह करना, तो जरूर हम तुम्हें फेर देंगे

डिबलतन तर्दाहा ७ इ-वल्लि वजिहका शतरल मस्जिदिल

उस दिबले की तरफ जिसमें तुम्हारी ખુशी है. अभी अपना मुंह फेर दो मस्जिदे

हराम ७ व हय्सु मा कुन्तुम इ-वल्लू पुजू-हकुम शतरह ७

हराम की तरफ, और अय मुसलमानो तुम जहां कहीं हो अपना मुंह ँसीकी तरफ करो,

व धन्नल लगीना उतुल किताबा ल-यर-लमूना अन्नहुल हक्कु मिर

और वो जिन्हें किताब मिली है जरूर जानते हैं के ये उनके रब की तरफ से हक्क है

رَبِّهِمْ ۖ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ عَمَّا يَعْمَلُونَ ۝ وَلَئِنْ أَتَيْتَ
الَّذِينَ أُوتُوا الْكِتَابَ بِكُلِّ آيَةٍ مَا تَتَّبِعُوا قِبَلَتَكَ
وَمَا أَنْتَ بِتَابِعٍ قِبَلَتِهِمْ ۖ وَمَا بَعْضُهُمْ بِتَابِعٍ قِبَلَةَ
بَعْضٍ ۖ وَلَئِنْ اتَّبَعْتَ أَهْوَاءَهُمْ مِنْ بَعْدِ مَا جَاءَكَ
مِنَ الْعِلْمِ إِنَّكَ إِذًا لَمِنَ الظَّالِمِينَ ۝ الَّذِينَ آتَيْنَاهُمُ
الْكِتَابَ يَعْرِفُونَهُ كَمَا يَعْرِفُونَ آبَاءَهُمْ ۖ وَإِنَّ
فَرِيقًا مِنْهُمْ لَيَكْتُمُونَ الْحَقَّ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ۝
الْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ ۖ فَلَا تَكُونَنَّ مِنَ الْمُمْتَرِينَ ۝
وَلِكُلِّ وُجْهَةٍ هُوَ مَوْلًى ۖ فَاسْتَبِقُوا الْخَيْرَاتِ ۚ
إِنَّ مَا تَكُونُوا يَأْتِي بِكُمْ اللَّهُ جَمِيعًا ۖ إِنَّ اللَّهَ عَلَى كُلِّ
شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝ وَمِنْ حَيْثُ خَرَجْتَ فَوَلِّ وَجْهَكَ
شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ ۚ وَإِنَّهُ لَلْحَقُّ مِنْ رَبِّكَ ۚ وَمَا
اللَّهُ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ ۝ وَمِنْ حَيْثُ خَرَجْتَ

وَلَا تَقُولُوا لِمَنْ يُعَذِّبُكَ اللَّهُ ظُلُمَاتٍ فَنَعْلَمِ اللَّهُ مَا تَفْعَلُونَ ۝

રબ્બિહિમ ૫ વ મલ્લાહુ બિ-ગાફિલિન
और अल्लाह उनके कोतकोंसे बे-ખबर नहीं.
अम्मा यर-मलून ० व लघन अतयतल
और अगर तुम
लगीना। ठितुल किताबा बि-कुल्लि
उन किताबियोंके पास हर
आ-यतिम मा तबिठि किब्लतक ८
निशानी लेकर आओ, वो तुम्हारे किबले की पैरवी न करेंगे,
वमो अन्ता बि-ताबिधन किब्ल-तहुम ८
और न तुम उनके किबले की पैरवी करो,
वमा भर-दुहुम बि-ताबिधन किब्लता
और वो आपसमें भी एक दूसरे के किबले के ताबेअ

બર-દ ૫ વ લ-ધનિત તબર-તા અહવા-અહુમ મિમ બર-દિ મા
નહી. और (अय सुननेवाले कसे बाशद) अगर तू उनकी ज्वाहिशों पर चला बाद इसके के

જા-અકા મિનલ ઇલ્મિ ૪ ઇન્નકા ઇમ્લ લ-મિનજ્ઝ ગાલિમીન ૦
તુએ ઇલ્મ મિલ ચુકા તો ઉસ વક્ત તૂ ઝરર સિતમંગાર હોગા.

અલ્લમીના આતયનાહુમુલ કિતાબા યર-રિફૂ-નહૂ કમા યર-રિફૂના
જિન્હે હમને કિતાબ અતા ફરમાઈ વો ઉસ નબી કો એસા પેહચાનતે હૈ જૈસે આદમી

અબ્ના-અહુમ ૫ વ ઇન્ના ફરીફમ મિન્હુમ લ-યક્તુમૂનલ હક્કા વહુમ
અપને બેટોંકો પેહચાનતા હૈ, और बेशक उनमें एक गिरोह जानबूझ कर હક્ક છુપાતે હૈ.

યર-લમૂન ૦ અલ હક્કુ મિર રબ્બિકા ફલા તફૂનન્ના મિનલ મુમ્તરીન ૦
(અય સુનને વાલો) ये हक्क है तेरे रब की तरफ से या हक्क वो छि है जो तेरे रब की तरफ से छे, तो ખબરદાર તૂશક ન કરના.

વ લિ-કુલ્લિંવ વિજહતુન હુવા મુવલ્લીહા ફસ્તબિકુલ ખયરાત ૫ અયના
और हर एक के लिये तबज्जोह की एक सिम्त है के वो उसीकी तरफ मुंह करता है, तो ये याહો के

મા તફૂનૂ યર-તિ બિ-કુમુલ્લાહુ જમીઆ ૫ ઇન્નલ્લાહા અલા કુલ્લિ
નેક્રિયોંમેં ઔરોંસે આગે નિકલ જાએ, તુમ કહી હો અલ્લાહ તુમ સબકો ઇંકલા લે આએગા, બેશક અલ્લાહ જો

શય્ઘન ફદીર ૦ વ મિન હય્સુ ખરજતા ફ-વલ્લિ વજહકા શરલ
ચાહે કરે. और जहांसे आओ अपना मुंह मसजिदे इरामकी तरफ करो

મસ્જિદિલ હરામ ૫ વ ઇન્નહૂ લલ્-હક્કુ મિર રબ્બિક ૫ વ મલ્લાહુ
और वो जरूर तुम्हारे रब की तरफ से हक्क है, और अल्लाह

બિ-ગાફિલિન અમ્મા તર-મલૂન ૦ વ મિન હય્સુ ખરજતા
તુમ્હારે કામોંસે ગાફિલ નહી. और अय मजबूज तुम जहांसे आओ

قُولُ وَجْهَكَ شَطْرَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ وَحَيْثُ مَا كُنْتُمْ
فَوَلُّوا وُجُوهَكُمْ شَطْرَهُ إِلَّا الَّذِينَ يَكُونُونَ لِلنَّاسِ
عَلَيْكُمْ حُجَّةً إِلَّا الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْهُمْ فَلَا تَخْشَوْهُمْ
وَاحْشَوْنِي وَلَا تَتَّبِعُوا نِعْمَتِي عَلَيْكُمْ وَلَعَلَّكُمْ
تَهْتَدُونَ كَمَا أَرْسَلْنَا فِيكُمْ رَسُولًا مِّنْكُمْ يَتْلُوا
عَلَيْكُمْ آيَاتِنَا وَيُزَكِّيكُمْ وَيُعَلِّمُكُمُ الْكِتَابَ
وَالْحِكْمَةَ وَيُعَلِّمُكُم مَّا لَمْ تَكُونُوا تَعْلَمُونَ
فَاذْكُرُونِي أَذْكُرْكُمْ وَاشْكُرُوا لِي وَلَا تَكْفُرُونَ
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اسْتَعِينُوا بِالصَّبْرِ وَالصَّلَاةِ إِنَّ
اللَّهَ مَعَ الصَّابِرِينَ وَلَا تَقُولُوا لِمَنْ يُقْتَلُ فِي
سَبِيلِ اللَّهِ أَمْوَاتٌ بَلْ أَحْيَاءٌ وَلَكِنْ لَا تَشْعُرُونَ
وَلَنَبْلُوَنَّكُمْ بِشَيْءٍ مِّنَ الْخَوْفِ وَالْجُوعِ وَنَقْصٍ مِّنَ
الْأَمْوَالِ وَالْأَنْفُسِ وَالثَّمَرَاتِ وَبَشِّرِ الصَّابِرِينَ

الَّذِينَ

مَنْهَا

۝

इ-वल्लि पजहका शतरल मस्जिदिल
अपना मुंह मस्जिदे हाराम की तरफ करो,
हराम ७ व हयसु मा कुन्तुम इ-वल्लू
और अय मुंसलमानो तुम जहां कहीं हो

पुजू-हकुम शतरहू १ लि-अल्ला यकूना
अपना मुंह उसी की तरफ करो, के

लिन्नासि अलयकुम हुज्जह ३ धल्लल
लोगोंको तुमपर कोई हुज्जत न रहे, मगर

लमीना म-लमू मिन्हुम ५ इला
जो उनमें ना-ई-साफी करें तो

तप्शवहुम वप्शवनी ५ व लि-इतिम्मा
उनसे न डरो और मुझसे डरो और ये ईसाविये दे के

निर-मती अलयकुम व लअल्लकुम तह-तहून ७ कमा अरसल्ला
मैं अपनी ने'मत तुमपर पूरी करूं और किसी तरह तुम छिदायत पाओ. जैसा हमने तुममें भेजा

हीकुम रसूलम मिन्हुम यल्लू अलयकुम आयातिना व युमक-हीकुम
अक रसूल तुम मेंसे, के तुमपर हमारी आयतें तिलावत करमाता है और तुम्हें पाक करता

व युअल्लिमुकुमुल किताबा वल हिक्-मता व युअल्लिमुकुम मा लम
और किताब और पुस्तक ईल्म सिखाता है और तुम्हें वो ता'लीम करमाता है जिसका

तकूनू तर-लमून ७ इम्कुरूनो अम्कुरकुम वरकूरू ली वला तककूरून ७
तुम्हें ईल्म न था. तो मेरी याद करो मैं तुम्हारा यरया करूंगा और मेरा हक्क मानो और मेरी नाशुकरी न करो.

यो अय्युहल लमीना आ-मनुस्-तर्धनू जिस सज्जि वरसल्लाह ७
अय ईमान वालो सभ्र और नमाज से मदद याहो

धन्नल्लाह मअस साबिरीन ० वला तकूलू लि-मंय युक्तलु ही
बेशक अल्लाह साबिरीन के साथ है. और जो जुदा की राह में मारे जायें उन्हें

सजीलिल्लाहि अम्वात ७ जल अह्याउंप् व लाकिल्ला तरडिरून ०
मुरदा न कडो, बेशक वो जिन्दा हैं, हां तुम्हें ખબर नहीं.

व ल-नल्लुपन्नकुम जि-शय्धम मिनल जप्फि वल जूध व नफ़िसम
और जरूर हम तुम्हें आजमायेंगे कुछ डर और लूक से और कुछ

मिनल अम्वालि वल अन्हुसि वसू स-मरात ७ व जश्शरिस साबिरीन ७
मालों और जनों और इलों की कमी से, और जुशखबरी सुना उन सभ्रवालों को के

الَّذِينَ إِذَا أَصَابَهُمْ مُصِيبَةٌ قَالُوا إِنَّا لِلَّهِ وَإِنَّا إِلَيْهِ رَاجِعُونَ ﴿١٥٠﴾ أُولَٰئِكَ عَلَيْهِمْ صَلَوَاتٌ مِّن رَّبِّهِمْ وَرَحْمَةٌ ۖ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُهْتَدُونَ ﴿١٥١﴾ إِنَّ الصَّفَا وَالْمَرْوَةَ مِن شَعَائِرِ اللَّهِ ۚ فَمَنْ حَجَّ الْبَيْتَ أَوِ اعْتَمَرَ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِ أَن يَطَّوَّفَ بِهِمَا ۚ وَمَن تَطَوَّعَ خَيْرًا ۖ فَإِنَّ اللَّهَ شَاكِرٌ عَلِيمٌ ﴿١٥٢﴾ إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ مَا أَنزَلْنَا مِنَ الْبَيِّنَاتِ وَالْهُدَىٰ مِن بَعْدِ مَا بَيَّنَّاهُ لِلنَّاسِ فِي الْكِتَابِ ۖ أُولَٰئِكَ يَلْعَنُهُمُ اللَّهُ وَيَلْعَنُهُمُ اللَّعْنُونَ ﴿١٥٣﴾ إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا وَأَصْلَحُوا وَبَيَّنَّاهُ لَكُمْ فِي الْكِتَابِ ۖ وَأَنَا التَّوَّابُ الرَّحِيمُ ﴿١٥٤﴾ إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَمَاتُوا وَهُمْ كُفَّارًا ۖ أُولَٰئِكَ عَلَيْهِمْ لَعْنَةُ اللَّهِ وَالْمَلَائِكَةِ وَالنَّاسِ أَجْمَعِينَ ﴿١٥٥﴾ خَالِدِينَ فِيهَا ۖ لَا يُخَفَّفُ عَنْهُمُ الْعَذَابُ وَلَا هُمْ يُنظَرُونَ ﴿١٥٦﴾

وَاللَّهُ

مَزَّلَ

32

अल्लाहीना धर्मो असाजलहुम मुसी-जतुन ५

जब उनपर कोई मुसीबत पड़े

फ़ालू धन्ना लिल्लाहि व धन्नो धलयहि

तो कहे हम अल्लाह के माल हैं और हमको उसीकी तरफ

राजिड़िन ठे उलाधका अलयहिम स-लपातुम

फिरना. ये लोग हैं जिनपर उनके रब की दुर्रदें हैं

मिर रजिजहिम व रह-मह व उलाधका

और रहमत, और येही लोग

हुमुल मुह-तदून ० धन्नस सझा वल

राह पर हैं. बेशक सझा और

मर-पता मिन शर्राधरिल्लाह ८ इ-मन

मरवा अल्लाह के निशानों से हैं. तो जो

हज्जल जय्ता अवि-त-मरा इला जुनाहा अलयहि अय् यत्तव्वझा

उस घर का हज्ज या उमरा करे उसपर कुछ गुनाह नहीं के छन दोनों के करे करे,

जिहिमा ७ व मन त-तव्वया जय्तरन ५ इ-धन्नल्लाहा शाकिरुन

और जो कोई भली बात अपनी तरफ से करे तो अल्लाह नेकी का सिवा देनेवाला

अलीम ० धन्नल लगीना यक्तुमूना मो अज्जल्ला मिनल जय्यिनाति

जबरदार है. बेशक वो जो हमारे उतारी हुई रौशन बातों और छिदायत को छुपाते हैं

वल हुदा मिम ज-दि मा जय्यन्नाहु लिन्नासि झिल किताभि ५

बाद इसके के लोगोंके दिये हम इसे किताब में वाजेह करमा चुके

उलाधका यल्यनुहुमुल्लाहु व यल्यनुहुमुल लाधनून ठे धलल लगीना

उनपर अल्लाह की ला'नत है और ला'नत करने वालों की ला'नत. मगर वो जो

ताजु व अलहू व जय्यनू इ-उलाधका अतूजु अलयहिम ८ व अनत

तौबा करें और संवारें और जाहिर करें तो मैं उनकी तौबा कुबूल करमाउंगी, और मैं ही हूँ

तव्वाजुर रहीम ० धन्नल लगीना इ-इरू व मातू व हुम इरू-इरुन

जन्मा तौबा कुबूल करमाने वाला, मेहरबान. बेशक वो जिन्होंने कुछ किया और काफिर ही मरे,

उलाधका अलयहिम ल-नतुल्लाहि वल मलाध-कति वन्नासि अजमर्धन ठे

उनपर ला'नत है अल्लाह और करिश्तों और आदमियों सबकी.

जालिदीना झीहा ८ ला युज-इरू अन्हुमुल अज़ाजु वला हुम युज्ज़रून ०

हमेशा रहेंगे उसमें, न उनपरसे अज़ाज हलका हो और न उन्हें मोहलत दी जाये.

وَالْهُكْمُ إِلَهُ وَاحِدٌ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الرَّحْمَنُ
الرَّحِيمُ ۝ إِنَّ فِي خَلْقِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَ
اِخْتِلَافِ اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ وَالْفُلْكِ الَّتِي تَجْرِي
فِي الْبَحْرِ بِمَا يَنْفَعُ النَّاسَ وَمَا أَنْزَلَ اللَّهُ مِنَ
السَّمَاءِ مِنْ مَّاءٍ فَأَخْيَا بِهِ الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا
وَبَثَّ فِيهَا مِنْ كُلِّ دَابَّةٍ سَوْ وَتَضْرِيحُ الرِّيحِ وَ
السَّحَابِ السَّخَّرَ بَيْنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ لَا يَتَّخِذُ
لِقَوْمٍ يَعْقِلُونَ ۝ وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَتَّخِذُ مِنْ
دُونِ اللَّهِ أَنْدَادًا يُحِبُّونَهُمْ كَحُبِّ اللَّهِ وَالَّذِينَ آمَنُوا
أَشَدُّ حُبًّا لِلَّهِ وَلَوْ يَرَى الَّذِينَ ظَلَمُوا إِذْ يَرَوْنَ
الْعَذَابَ أَنَّ الْقُوَّةَ لِلَّهِ جَمِيعًا وَأَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ
الْعَذَابِ ۝ إِذْ تَبَرَّأَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا مِنَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا
وَرَأَوْا الْعَذَابَ وَتَقَطَّعَتْ بِهِمُ الْأَسْبَابُ ۝ وَقَالَ

الَّذِينَ اتَّبَعُوا

مَنْزِلًا

33

व धलाहुकुम धलाहुंप् वाहिद ८ लो धलाहा
और तुम्हारा मा'बूद अक मा'बूद है उसके सिवा कोई
धला हुपर रहमानुर रहीम ९ धन्ना ही
मा'बूद नहीं मगर वोही बणी रहमत वाला भेरेभान. भेसक
भुल्लिस समावाति पल अर्दि पणितलाहिल
आसमानों और जमीन की पैदाईश और
लथलि पन्नहारि पल कुल्लिल लती तजरी
रात व दिन का बदलते आना और कश्ती के
हिल भहरि निमा यन्हुडिन नासा
हरिया में लोगोंके कायदे लेकर चलती है
पमो अन्मलल्लाहु मिनस समोध
और वो जो अल्लाह ने आसमान से

मिम मोधन इ-अह्या निहिल अर्दा भर्दा मवतिहा व भर्साहीहा

पानी उतारकर

मुरदा जमीन को उससे जिला दिया और

जमीन में

मिन कुल्लि हाब्जह ८ व तसरीहिर शियाहि पस्सहाजिल

हर किसम के जलवर फैलाये

और

उवाओंकी गरदिश और वो बादल के

मुसफ़्फ़रि जयन्स समोध पल अर्दि ल-आयातिल लि-इप्मिन्

आसमान व जमीन के बीच में हुकम का बांधा है, इन सबमें अकलमन्दों के बिअे जर निशानियां हैं.

यर-हिलून ० व मिनन् नासि मन् यत्तफ़िगु मिन हूनिल्लाहि

और कुछ लोग अल्लाह के सिवा और मा'बूद बना लेते हैं

अन्दाहन् युहिब्ज-नहुम इ-हुजिल्लाह ७ पल्लगीना आ-मनू

के उन्हें अल्लाह की तरह मंडबूज रहते हैं और ईमान वालोंकी

अशाहु हुब्जल लिल्लाह ७ व लप् यरल लगीना ग़-लमू धग़ यरप्-नल

अल्लाह के बराबर किसीकी मुहब्बत नहीं, और कैसे हो अगर देखें आदिम वो वक्त जबके

अग़ाभा १ अन्नल कुप्पता लिल्लाहि जमीअंप् १ व अन्नल्लाहा शदीहुल

अजाब उनकी आंखोंके सामने आयेगा, इसबिअे के सारा जोर जुध को है और इसबिअेके अल्लाह का

अग़ाभा ० धग़ तभर्-रअल लगीनत तुभिग़ि मिनल लगीनत त-जग़ि

अजाब बहुत सप्त है. जब बेजार होंगे पेशवा अपने पैरुओंसे

व र-अपुल अग़ाभा व तफ़्फ़तअत निहिमुल अर्रभाभा ० व फ़ालल-

और देखेंगे अजाब और कट ज़अेंगी उन सबकी डोरें. कहेंगे

الَّذِينَ اتَّبَعُوا لَوْ أَنَّ لَنَا كَرَّةً فَنَتَبَرَّأَ مِنْهُمْ كَمَا
تَبَرَّأُوا مِنَّا ۚ كَذَلِكَ يَرِيهِمُ اللَّهُ أَعْمَالَهُمْ حَسَرَاتٍ
عَلَيْهِمْ ۖ وَفَاھُمْ يُخْرَجُونَ مِنَ النَّارِ ۖ يَأْتِيهَا النَّاسُ
كُلُّوَامِنًا فِي الْأَرْضِ حَلَّالَطَيِّبَاتٍ ۚ وَلَا تَتَّبِعُوا
خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ ۚ إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُبِينٌ ۖ إِنَّمَا
يَأْمُرُكُم بِالسُّوءِ وَالْفَحْشَاءِ وَأَنْ تَقُولُوا عَلَى
اللَّهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ ۖ وَإِذَا قِيلَ لَهُمُ اتَّبِعُوا
مَا أَنْزَلَ اللَّهُ قَالُوا بَلْ نَتَّبِعُ مَا أَلْفَيْنَا عَلَيْهِ
آبَاءَنَا ۚ أَوَلَوْ كَانَ آبَاؤُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ شَيْئًا وَلَا
يَهْتَدُونَ ۖ وَمَثَلُ الَّذِينَ كَفَرُوا كَمَثَلِ الَّذِي
يُنْعِقُ بِمَا لَا يَسْمَعُ إِلَّا دُعَاءً وَنِدَاءً ۚ صُمُّ
بُكْمٌ عُيٌّ قُمْهُمُ لَا يَعْقِلُونَ ۖ يَأْتِيهَا الَّذِينَ
آمَنُوا كُلُّوَامِنًا مِنْ طَيِّبَاتٍ مَا رَزَقْنَكُمْ وَأَشْكُرُوا

بَلَىٰ إِنَّ كُنْشَدَ

مَنْزِلًا

34

लगीनत त-भङ्गि लप् अण्णा लना
पै ३, काश उमें

क-र-रतन क-न-तभ-र-रया मिन्हुम
लौटकर जना होता (दुनिया में) तो हम इनसे तोण देते

कमा तभ-र-रङ्गि मिण्णा ७ कगालिका
जैसे इन-होंने हमसे तोण दी पूंछी

युरीहिमुल्लाहु अर-मा-लहुम ह-सरातिन
अल्लाह उन्हें दिखायेगा उनके काम उनपर इसरतें होकर

अलयहिम ७ वमा हुम नि-जारीजुना
और वो दीवाने से निकलने वाले नहीं।

मिनन् नार ० यो अय्युहन नासु
अय लोगो !

कुलू मिम्मा झिल अरदि हलालन तय्यिअंप् पला तत्तभिङ्गि जुतुपातिश
भाओ जो कुछ जमीन में हलाल पाकीजा है और शैतान के कदम पर

शय्तान ७ धन्नहू लकुम अदुवुम मुजीन ० धन्नमा यर-मुदकुम
कदम नरखो, बेशक वो तुम्हारा जुला दुश्मन है। वो तो तुम्हें यही हुकम देगा

भिस्सूध वल इहशोध व अन तङ्गलू अलल्लाहि माला तर-लमून ०
बढ़ी और बे-इयाई का और ये के अल्लाह पर वो बात जेणो जिसकी तुम्हें ખબर नहीं।

व धग्गा झीला लहुमुत तभिङ्गि मों अन्गलल्लाहु झालू जल नत्तभिङ्गि
और जब उनसे कडा जामे, अल्लाह के उतारे पर खलो तो कहे, बड़े हम तो उसपर खलेंगे

मों अल्लय्ना अलयहि आभा-अना ७ अ-वलप् काना आभाउिहुम
जिसपर अपने बाप दादा को पाया, क्या अगर उनके बाप दादा

ला यर-झिलूना शय्अंप् वला यह-तदून ० व म-सल्लुल लगीना क-कूर
न कुछ अकल रहते हों, न छिदायत. और काकिरोंकी कडावत

क-म-सलिल लगी यन्धकु जिमा ला यरमडि धल्ला दुय्आंअंप् व
उसकी सी है जो पुकारे अैसे को के पाली खीज पुकार के सिवा कुछ न सुने

निदाआ ७ सुम्मुम जुकुमुन उम्युन इहुम ला यर-झिलून ० यो अय्युहल
बेहरे गूंगे अन्धे तो उन्हें कुछ समझ नहीं। अय

लगीना आ-मनू कुलू मिन तय्यिआति मा रमङ्ग-नाकुम वरकुदूर
ईमान वालो भाओ हमारी दी हुई सुधरी खीजें और अल्लाह का अहसान मानो

اللَّهُ إِنْ كُنْتُمْ آتَاةً تُعْبَدُونَ ۖ إِنَّمَا حَرَّمَ عَلَيْنَا
 الْمَيْتَةَ وَالْدَّمَ وَالْجُنَيْنِ وَمَا أَهَلَ بِهِ الْغَيْرِ
 اللَّهُ ۖ فَمَنْ أَظْرَعُ غَيْرَ بَاغٍ وَلَا عَادٍ فَلَا إِحْسَمَ
 عَلَيْهِ ۖ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۖ إِنَّ الَّذِينَ يَتْلُمُونَ
 مَا أَنْزَلَ اللَّهُ مِنَ الْكِتَابِ وَيَشْتَرُونَ بِهِ ثَمَنًا
 قَلِيلًا ۖ أُولَئِكَ مَا يَأْكُلُونَ فِي بُطُونِهِمْ إِلَّا النَّارَ
 وَلَا يُكَلِّمُهُمُ اللَّهُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ وَلَا يُكْتَبُ لَهُمْ
 وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۖ أُولَئِكَ الَّذِينَ اشْتَرُوا الضَّلَاةَ
 بِالْهَدَى وَالْعَذَابَ بِالْمَغْفِرَةِ ۖ فَمَا أَضْبَرْتُمْ عَلَى
 النَّارِ ۖ ذَلِكَ بِأَنَّ اللَّهَ نَزَلَ الْكِتَابَ بِأَحْقَ ۖ وَإِنَّ
 الَّذِينَ اخْتَلَفُوا فِي الْكِتَابِ لَغِيٌّ شَقَاقٌ بَعِيدٌ ۖ
 لَيْسَ الْبِرَّ أَنْ تُولُوا وَجُوهَكُمْ قِبَلَ الشَّرْقِ
 وَالْمَغْرِبِ وَلَكِنَّ الْبِرَّ مَنْ آمَنَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

લિલ્લાહિ ઇન કુન્તુમ ઇત્યાહુ તર-બુદૂન
 અગર તુમ ઉસીકો પૂજતે હો.

ઇન્નમા હર-રમા અલયકુમુલ મય-તતા
 ઉસને યહી તુમપર હરામ કિએ હું મુરદાર
 વદ-દમા વ લહ-મલ ખિન્નીરિ વમો
 ઓર ખૂન ઓર સુવ્વર કા ગોશત ઓર
 ઉહિલ્લા ખિહી લિ-ગયરિલ્લાહ
 વો જાનવર જો ગૈરે ખુદા કા નામ લેકર ઝખહ ક્રિયા ગયા,
 ફ-મનિદ-તુરરા ગયરા બાગિંવ વલા
 તો જો નાચાર હો ન યૂં કે ખ્વાહિશ સે ખાએ ઓર ન યૂં કે
 આદિન ફલો ઇરમા અલૈહ
 ઝરૂરત સે આગે બળ્હે તો ઉસપર ગુનાહ નહીં,

ઇન્નલ્લાહા ગફૂરુર રહીમ ○ ઇન્નલ લમીના યકતુમૂના મો
 બેશક અલ્લાહ બખ્શને વાલા મેહરબાન હૈ. વો જો છુપાતે હું

અન્નલ્લાહુ મિનલ કિતાબિ વ યશતરૂના ખિહી સ-મનન ફલીલન
 અલ્લાહ કી ઉતારી કિતાબ ઓર ઉસકે બદલે ઝલીલ કીમત લે લેતે હું
 ઉલોઇકા મા યર-કુલૂના ફી બુતૂનિહિમ ઇલ્લન નારા વલા
 વો અપને પેટ મેં આગ હી ભરતે હું ઓર

યુક્લિમુહુમુલ્લાહુ યવ્મલ ક્રિયા-મતિ વલા યુઝક-કીહિમ વ લહુમ
 અલ્લાહ કયામત કે દિન ઉનસે ખાત ન કરેગા, ઓર ન ઉન્હેં સુથરા કરે, ઓર ઉન્હેં લિએ

અઝાબુન અલીમ ○ ઉલોઇકલ લમીનશ-ત-રપુદ દલા-લતા ખિલ હુદા
 દર્દનાક અઝાબ હૈ. વો લોગ હું જિન્હોંને હિદાયત કે બદલે ગુમરાહી મોલ લી
 વલ અઝાબા ખિલ મગફિરહ ફમો અસ્-બ-રહુમ અલન નાર ○
 ઓર બખ્શિશ કે બદલે અઝાબ, તો કિસ દરજા ઉન્હેં આગ કી સહાર હૈ.

ઝાલિકા ખિ-અન્નલ્લાહા નઝ-ઝલલ કિતાબા ખિલ હક્ક વ ઇન્નલ
 યે ઇસલિએ કે અલ્લાહને કિતાબ હક્ક કે સાથ ઉતારી, ઓર બેશક
 લમીનખ-ત-લફૂ ફિલ કિતાબિ લફી શિકાકિમ બઈદ લય-સલ ખિરરા
 જો લોગ કિતાબ મેં ઇખ્તેલાફ ડાલને લગે વો ઝરૂર પરલે સિરે કે ઝગળાલૂ હું. કુછ અસલ નેકી યે નહીં

અન તુવલ્લૂ પુજૂ-હકુમ કિ-બલલ મશરિકિ વલ મગરિબિ વ
 કે મુંહ મશરિક યા મગરિબકી તરફ કરો

લાકિન્નલ ખિરરા મન આ-મના ખિલ્લાહિ વલ યવ્મિલ આખિરિ વલ
 હાં અસલ નેકી યે કે ઇમાન લાએ અલ્લાહ ઓર કયામત ઓર

وَالْمَلَكِ وَالْكَتَبِ وَالنَّبِيِّنَ ۚ وَآتَى الْمَالَ عَلَىٰ
حُبِّهِ ذَوِي الْقُرْبَىٰ وَالْيَتَامَىٰ وَالْمَسْكِينِ وَابْنَ
السَّبِيلِ ۚ وَالسَّائِلِينَ وَفِي الرِّقَابِ ۚ وَأَقَامَ الصَّلَاةَ
وَآتَى الزَّكَاةَ ۚ وَالْمُوفُونَ بِعَهْدِهِمْ إِذَا عَاهَدُوا ۚ
وَالصَّابِرِينَ فِي الْبَأْسَاءِ وَالضَّرَاءِ وَحِينَ الْبَأْسِ ۚ
أُولَٰئِكَ الَّذِينَ صَدَقُوا ۚ وَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُتَّقُونَ ۝
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الْقِصَاصُ فِي
الْقَتْلِ ۚ الْحَرُّ بِالْحُرِّ ۚ وَالْعَبْدُ بِالْعَبْدِ ۚ وَالْأُنْثَىٰ
بِالْأُنْثَىٰ ۚ فَمَنْ عُفِيَ لَهُ مِنْ أَخِيهِ شَيْءٌ فَاتَّبَاعْهُ
بِالْمَعْرُوفِ ۚ وَأَدَّ إِلَيْهِ بِإِحْسَانٍ ۚ ذَٰلِكَ تَخْفِيفٌ
مِّن رَّبِّكُمْ وَرَحْمَةٌ ۚ فَمَنِ اعْتَدَىٰ بَعْدَ ذَٰلِكَ
فَلَهُ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ وَلَكُمْ فِي الْقِصَاصِ حَيَوةٌ
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ۝ كُتِبَ عَلَيْكُمُ إِذَا

حَقَّتْ لَكُمُ

مَنْزِلًا

वल भलाय-कति वल किताबि वन
करिश्तों और किताब और

नभिथीन ८ व आतल माला अला हुज्जिही
पैगम्बरों पर और अल्लाह की मुहब्बत में अपना अंगीज माल दे

मपिल कुरआ वल यतामा वल मसाकीना
रिश्तेदारों और यतीमों और भिसकीनों

वजनस सजीलि १ वस्सायलीना व फिर
और राहगीर और साधलों को और गरदन छुलाने में,

रिफाज ८ व अकामस सलाता व आतम
और नमाज काईम रखे और

मकाह ८ वल मूकूना जि-अहदिहिम धमा
जकात दे और अपना कौल पूरा करने वाले जब

जय-साय वद्-दर-साय व हीनल जय-स ७
मुसीबत और सपत्ती में और जिहाद के वक्त,

उलायकल लमीना स-दकू ७ व उलायका हुमुल मुत्तकून ०
येही हैं जिन्होंने अपनी बात सच्ची की और येही परहेजगार हैं.

यो अय्युहल लमीना आ-मनू कुतिजा अलयकुमुल किसासु
अय ईमान वालो ! तुमपर फर्ज है के जो नाइक मारे जायें उनके भून का बदला लो,

हिल कत्ला ७ अल हुर्रु जिल हुर्रि वल अब्दु जिल अब्दि
आजाद के बदले आजाद और गुलाम के बदले गुलाम

वल उन्सा जिल उन्सा ७ इ-मन उश्शिया लहू मिन अजीहि शय्तिन
और औरत के बदले औरत, तो जिसके लिये उसके लार्थ की तरफ से कुछ मुआफी हुई

इत्तिजाउम जिल मय-रूहि व अहोउिन धलयहि जि-धहसान ७
तो ललाई से तकाजा हो और अच्छी तरह अदा

मालिका तफ्हीकुम मिर रज्जिकुम व रह-मह ७ इ-मनिर-तदा जय-दा
ये तुम्हारे रज की तरफ से तुम्हारा जोज हलका करना है और तुमपर रहमत, तो इसके बाद जो क्रियादती करे

मालिका इ-लहू अमाजुन अलीम ० व लकुम हिल किसासि हयातुंय
उसके लिये दर्दनाक अजाब है. और भून का बदला लेने में तुम्हारी जिन्दगी है

यो उलिल अल्लाजि लयल्लकुम तत्तकून ० कुतिजा अलयकुम धमा
अय अकलमन्दो के तुम कहीं नयो. तुमपर फर्ज हुवा के जब

حَضَرَ أَحَدَكُمْ الْمَوْتُ إِنْ تَرَكَ خَيْرًا ۖ الْوَصِيَّةُ
لِلْأَوْدِيَيْنِ وَالْأَقْرَبِينَ بِالْمَعْرُوفِ ۖ حَقًّا عَلَى
الْمُتَّقِينَ ۝ فَمَنْ بَدَّلَهُ بَعْدَ مَا سَمِعَهُ فَإِنَّمَا
إِثْمُهُ عَلَى الَّذِينَ يُبَدِّلُونَهُ ۚ إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝
فَمَنْ خَافَ مِنْ مُوَصَّ جَنَفًا أَوْ إِثْمًا فَأَصْلَحَ
بَيْنَهُمْ فَلَا إِثْمَ عَلَيْهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا كُتِبَ عَلَيْكُمُ الصِّيَامُ كَمَا
كُتِبَ عَلَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ ۝
أَيَّامًا مَعْدُودَاتٍ ۚ فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَرِيضًا أَوْ
عَلَى سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِنْ أَيَّامٍ أُخَرَ ۚ وَعَلَى الَّذِينَ
يُطِيقُونَهُ فِدْيَةٌ طَعَامُ مِسْكِينٍ ۚ فَمَنْ تَطَوَّعَ خَيْرًا
فَهُوَ خَيْرٌ لَهُ ۚ وَأَنْ تَصُومُوا خَيْرٌ لَكُمْ إِنْ كُنْتُمْ
تَعْلَمُونَ ۝ شَهْرُ رَمَضَانَ الَّذِي أُنْزِلَ فِيهِ الْقُرْآنُ

هُدًى لِلنَّاسِ

منزل ۱

37

હ-દરા અ-હ-દકુમુલ મવતુ ધન ત-રકા
તુમમેં કિસીકો મૌત આએ અગર કુછ માલ છોળે
ખય-રા હૈં નિલ વસિયતુ લિલ વાલિદય્નિ
તો વસિયત કર જાએ અપને માં બાપ

પલ અફ-રબીના બિલ મરૂફ દે હફફન
 ઔર કરીબ કે રિશ્તેદારોં કે લિએ મુવાફિકે દસ્તૂર, યે વાજિબ
 અલલ મુત્તફીન ઠે ફ-મમ્ બદ-દ-લહૂ
 હૈ પરહેઝગારોં પર. તો જો વસિયત કો સુન
 બદ-દા મા સમિ-અહૂ ફ-ઇન્નમો ઇસ્મુહૂ
 સુનાકર બદલ દે ઉસકા ગુનાહ

અલલ્ લખીના યુગદ્દિલૂનહ ૫
ઉન્હી બદલનેવાલોં પર હૈ,

ઠ ઈ-મન ખાઈ મિમ મૂસિન
ફિર જિસે અન્દેશા હો કે વંસિચ્ચત કરનેવાલે ને

બહા બચ્-નહુમ ફલો ઘડ્ઘમ ઝલેહ ૫
 અને ઉનમેં સુલહ કરા દી ઉસપર કુછ ગુનાહ નહીં,

૦ યૉ અચ્યુહલ લમ્પીના આ-મનૂ
અય ઈમાન વાલો

ક્રમા કુતિબા અલલ લગ્ગીના મિન
કિએ ગએ જૈસે અગલોં પર ફર્જ હુએ થે

૦ અધ્યામમ મર-દૂદાત ૫ ફ-મન કાના
ગિન્તી કે દિન હું, તો તુમમેં જો કોઈ

રિન ફ-ઇદ-દતુમ મિન અય્યામિન ઉખર ૬
 મેં હો તો ઉતને રોજે ઔર દિનોં મેં

ફિદ-ચતુન તથામુ મિસ્કીન ૫ ફ-મન
બદલા દે એક મિસકીન કા ખાના, ફિર જો

પુરુલ લઈ ૫ વ અન તસૂમૂ ખંચુલ લકુમ
એબેહતર હૈ. ઔર રોઝા રખના તમ્હારે લિએ ક્રિયાદા

ર-મદાનલ લગ્નો ઉજાલ કીલિલ કુરઆનુ
કા મહીના જિસમે કુરઆન

هُدًى لِّلنَّاسِ وَبَيِّنَاتٍ مِّنَ الْهُدَىٰ وَالْفُرْقَانِ ۚ
فَمَن شَهِدَ مِنْكُمُ الشَّهْرَ فَلْيَصُبِّهِ ۖ وَمَن كَانَ
مَرِيضًا أَوْ عَلَىٰ سَفَرٍ فَعِدَّةٌ مِّنْ أَيَّامٍ أُخَرَ ۚ يُرِيدُ
اللَّهُ بِكُمُ الْيُسْرَ وَلَا يُرِيدُ بِكُمُ الْعُسْرَ وَلِتُكْمِلُوا
الْعِدَّةَ وَلِتُكَبِّرُوا اللَّهَ عَلَىٰ مَا هَدَىٰكُمْ وَلَعَلَّكُمْ
تَشْكُرُونَ ۝ وَإِذَا سَأَلَكَ عِبَادِي عَنِّي فَإِنِّي قَرِيبٌ
أَجِيبْ دَعْوَةَ الدَّاعِ إِذَا دَعَا ۖ فَلْيَسْتَجِيبُوا لِي
وَلْيُؤْمِنُوا بِي لَعَلَّهُمْ يَرْشُدُونَ ۝ أُحِلَّ لَكُمْ
لَيْلَةُ الصَّيَامِ الرَّفَثُ إِلَىٰ نِسَائِكُمْ ۚ مَن لَبَّاسًا
لَّكُمُ وَأَنتُمْ لِبَاسٌ لَّهِنَّ ۚ عَلِمَ اللَّهُ أَنَّكُمْ كُنْتُمْ
تَخْتَانُونَ أَنفُسَكُمْ فَتَابَ عَلَيْكُمْ وَعَفَا عَنْكُمْ ۚ
فَالَّذِينَ بَاسِرُونَ هُنَّ وَأَتَعُوا مَا كَتَبَ اللَّهُ لَكُمْ
وَكُلُوا وَاشْرَبُوا حَتَّىٰ يَتَبَيَّنَ لَكُمُ الْخَيْطُ الْأَبْيَضُ

مِنَ الْخَيْطِ

منزل

38

हुदल लिन्नासि व भयिनातिम
उतरा लोगोंके लिअे छिदायत और रहनुमाई
मिनल हुदा वल कुरकान ८ इ-मन
और हैसले की रौशन बातें, तो
शहिदा मिन्कुमुश शहरा इल यसुम्हु ७
तुममें जो कोई ये महीना पाअे ज़रूर इसके रोअे रंभे
व मन काना मरीदन अप् अला स-इरिन
और जो भीमार या सकर में हो
इ-धइ-दतुम मिन अय्यामिन उभर ७
तो उतने रोअे और दिनों में
युरीदुल्लाहु जि-कुमुल युसरा वला
अल्लाह तुमपर आसानी याहता है और

युरीदु जि-कुमुल उसरा ७ व लि-तुफमिलुल धइ-दता व
तुमपर दुश्वारी नहीं याहता और इसलिअे के तुम गिन्ती पूरी करो और

लि-तुफज्जिदुल्लाहा अला मा हदाकुम व लअल्लकुम तश्कूरून ०
अल्लाह की बणाई बोवो इसपर के उसने तुम्हें छिदायत की और कहीं तुम हक गुजार हो.

व धमा स-अ-लका धमादी अन्नी इ-धन्नी इरीज ७ उजुजु दइ-वतद
और अय मडबूब जब तुमसे मेरे बन्दे मुअे पूछें तो मैं नजदीक हूँ, हुआ कुबूल करता हूँ

दाध धमा दयानि १ इल-यस्तजुजु ली वल यु-मिनु जी लअल्लहुम
पुकारने वाले की जब मुअे पुकारे, तो उन्हें याहिअे मेरा हुकम मानें और मुअपर ईमान लाअें के कहीं

यश्शुदून ० उहिल्ला लकुम लय-लतस सियामिर र-इसु धला
राह पाअें. रोअों की रातों में अपनी औरतों के पास जना तुम्हारे लिअे हंलाल हुवा

निसाधकुम ७ हुन्ना लिजासुल लकुम व अन्तुम लिजासुल लहुन्न ७
वो तुम्हारी लिबास हैं और तुम उनके लिबास,

अलिमल्लाहु अन्नकुम कुन्तुम तफ्तानूना अन्हु-सकुम इ-ताजा अलयकुम
अल्लाह ने जना के तुम अपनी जनों को जयानत में डालते थे, तो उसने तुम्हारी तौबा कुबूल की

व अइा अन्कुम ८ इल आना जाशिरहुन्ना वतगू मा इ-तजल्लाहु
और तुम्हें मुआफ़ करमाया, तो अब उनसे सोहबत करो और तलब करो जो अल्लाह ने तुम्हारे नसीब

लकुम ७ व कुलू वशरबू हत्ता य-तजययना लकुमुल जयतुल अय्यहु
में लिभा हो और जाओ और पियो यहां तक के तुम्हारे लिअे जाहिर हो जअे सहेदी का डोरा

مِنَ الْخَيْطِ الْأَسْوَدِ مِنَ الْفَجْرِ ثُمَّ أَتَبُوا الصِّيَامَ
إِلَى اللَّيْلِ وَلَا تَبْأَشِرُوهُنَّ وَأَنْتُمْ عَاكِفُونَ فِي
الْمَسْجِدِ تِلْكَ حُدُودُ اللَّهِ فَلَا تَقْرَبُوهَا كَذَلِكَ
يُبَيِّنُ اللَّهُ آيَاتِهِ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَّقُونَ وَلَا تَأْكُلُوا
أَمْوَالَكُم بَيْنَكُم بِالْبَاطِلِ وَتُدْلُوا بِهَا إِلَى الْحُكَّامِ
لِتَأْكُلُوا فَرِيقًا مِّنْ أَمْوَالِ النَّاسِ بِالْإِثْمِ وَأَنْتُمْ
تَعْلَمُونَ ۝ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْإِهْلَةِ قُلْ هِيَ
مَوَاقِيتُ لِلنَّاسِ وَالْحَجِّ وَلَيْسَ الْبِرُّ بِأَنْ تَأْتُوا
الْبُيُوتَ مِنْ ظُهُورِهَا وَلَكِنَّ الْبِرَّ مَنِ اتَّقَى وَأَتُوا
الْبُيُوتَ مِنْ أَبْوَابِهَا وَاتَّقُوا اللَّهَ لَعَلَّكُمْ تُفْلِحُونَ ۝
وَقَاتِلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ الَّذِينَ يَقَاتِلُونَكُمْ وَلَا
تَعْدُوا إِنَّ اللَّهَ لَا يُحِبُّ الْمُعَدِّينَ ۝ وَأَقْتُلُواهُمْ
حَيْثُ تَقْبَضُوهُمْ وَآخِرُ حُجَّتِهِمْ مِّنْ حَيْثُ أَخْرَجْتُمُ

وَالْفَيْشَةُ أَشَدُّ

منزل

39

मिनल जयतिल अस्पदि मिनल इज्दि
सियाही के डोरे से (पी कटकर),

सुम्मा अतिम्मुस सियामा धलल् लेल ८ वला
किरे रात आने तक रोके पूरे करो, और

तुभाशिरहुन्ना व अन्तुम आकिङ्गना १
औरतों को हाथ न लगाओ जब तुम

इल मसाजिद ७ तिल्का हुदुल्लाहि इला
मस्जिदों में अतेकक से हो, ये अल्लाह की हदें हैं

तङ्-रभूहा ७ कज़ालिका युभययिनुल्लाहु
उनके पास न जाओ, अल्लाह यूँही जयान करता है

आयातिही लिन्नासि लअल्लहुम
लोगोंसे अपनी आयतें के कहीं उन्हें

यत्तङ्गन ० वला तर-कुलू अम्पा-लकुम जय-नकुम जिल जातिलि व
परहेजगारी मिले. और आपसमें एक दूसरे का माल नाहक न जाओ और

तुद्लू जिहो धलल् हुक-कामि लि-तर-कुलू इरीकम मिन
न हाकिमों के पास उनका मुकदमा इसलिये पहुंचाओ के लोगोंका

अम्पालिन नासि जिल धस्मि व अन्तुम तर-लमून ० यस्थलू-नका
कुछ माल नाजार्ज तौर पर जा लो जिन बूजकर. तुमसे

अनिल अहिल्लह ७ कुल हिया मपाङ्गीतु लिन्नासि वल हुज्ज ७
नअे याद को पूछते हैं तुम इरमा दो, वो वक्त की अलामतें हैं लोगों और हुज्ज के लिये

व लय्सल गिरु जि-अन तर-तुल जुयूता मिन मुहूरिहा व लाकिन्नल
और ये कुछ लबाई नहीं के घरोंमें पछित तोणकरें आओ, हां

गिरा मनित तङ्गा ८ वर-तुल जुयूता मिन अव्पाजिहा ७ यत्तङ्गुल्लाहा
लबाई तो परहेजगारी है, और घरों में दरवाजों से आओ और अल्लाहसे डरते रहो

लयल्लकुम तुङ्गलिहून ० व ङातिलू ही सजीलिल्लाहिल लज़ीना
इस उम्मीद पर के इलाह पाओ. और अल्लाह की राह में लणो उनसे जे

युङ्गातिलू-नकुम वला तर-तदू ७ धन्नल्लाहा ला युहिब्जुल मुर-तदीन ०
तुमसे लणते हैं और हद से न बण्डो, अल्लाह पसन्द नहीं रખता हद से बण्डने वालों को.

पङ्तुल्लहुम हय्सु सङ्किङ्गुमूहुम व अज्जिहूहुम मिन हय्सु अज्जिहूहुम
और काकिरों को जहां पाओ भारो और उन्हें निकाव दो जहांसे उन्होंने तुम्हें निकावा था

وَالْفِتْنَةُ أَشَدُّ مِنَ الْقَتْلِ، وَلَا تَقْتُلُوا مَنْ عِنْدَ
 الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ حَتَّى يُقْتَلُوا فِيهِ، فَإِنْ قَتَلْتُمْ
 فَأَقْتُلُواهُمْ، كَذَلِكَ جَزَاءُ الْكَافِرِينَ، فَإِنْ انْتَهَوْا
 فَإِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ، وَتَقْتُلُوا مَنْ لَا تَكُونُ
 فِتْنَةً وَيَكُونُوا لِلدِّينِ بِرَءًا، فَإِنْ انْتَهَوْا فَلَا
 عُدْوَانَ إِلَّا عَلَى الظَّالِمِينَ، اللَّهُمَّ الْحَرَامُ بِاللَّهِ
 الْحَرَامُ وَالْحَرَامُ قِصَاصٌ، فَمَنْ اعْتَدَى عَلَيْكُمْ
 فَاعْتَدُوا عَلَيْهِ بِمِثْلِ مَا اعْتَدَى عَلَيْكُمْ،
 وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ مَعَ الْمُتَّقِينَ،
 وَأَنْفِقُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَلَا تُلْقُوا بِأَيْدِيكُمْ إِلَى
 التَّهْلُكَةِ، وَأَحْسِنُوا إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الْمُحْسِنِينَ،
 وَابْتِئُوا الْحَجَّ وَالْعُمْرَةَ لِلَّهِ، فَإِنْ أُخْصِرْتُمْ فَمَا
 اسْتَيْسَرَ مِنَ الْهَدْيِ، وَلَا تَحْلِقُوا رُءُوسَكُمْ حَتَّى
 يَبْلُغَ الْهَدْيُ مَحَلَّهُ

વલ ફિત્નતુ અશદ્દુ મિનલ ફત્લ ટ
 ઓર ઉનકા ફસાદ તો કત્લ સે ભી સખ્ત હૈ

વલા તુફાતિલૂહમ ઇન્દલ મસ્જિદિલ હરામિ
 ઓર મસ્જિદે હરામ કે પાસ ઉનસે ન લખો

હત્તા યુફાતિલૂહમ ફીહ ટ ફ-ઇન
 જબતક વો તુમસે વહાં ન લખે, ઓર અગર

ફા-તલૂહમ ફફતુલૂહમ ૭ કઝાલિકા
 તુમસે લખે તો ઉન્હેં કત્લ કરો,

જઝાલિકા કાફિરીન ૦ ફ-ઇનિન્તહવ્
 કાફિરોં કી પેહી સજા હૈ. ફિર અગર વો બાઝ રહે

ફ-ઇન્નલ્લાહા ગફુરુર રહીમ ૦
 તો બેશક અલ્લાહ બખ્શનેવાલા મેહરબાન હૈ.

વ ફાતિલૂહમ હત્તા લા તફૂના ફિત્નતુવ્ વ યફૂનદ દીનુ લિલ્લાહ ૭
 ઓર ઉનસે લખો યહાં તક કે કોઈ ફિત્ના ન રહે ઓર એક અલ્લાહ કી પૂજા હો.

ફ-ઇનિન્તહવ્ ફલા ઉદવાના ઇલ્લા અલઝ્ઝ ઝાલિમીન ૦
 ફિર અગર વો બાઝ આએ તો ઝિયાદતી નહીં મગર ઝાલિમોં પર.

અશ શહરુલ હરામુ બિશ શહરિલ હરામિ વલ હુરમાતુ ફિસાસ ૭
 માહે હરામ કે બદલે માહે હરામ ઓર અંદબ કે બદલે અંદબ હૈ

ફ-મનિર-તદા અલય્કુમ ફર-તદૂ અલય્હિ બિ-મિસ્લિ મર-તદા
 જો તુમપર ઝિયાદતી કરે ઉસપર ઝિયાદતી કરો ઉતની હી જિતની ઉસને કી,

અલય્કુમ ૭ વત્તફુલ્લાહા વર-લમૂ અન્નલ્લાહા મઅલ મુત્તફીન ૦
 ઓર અલ્લાહસે ડરતે રહો ઓર જન રખ્ખો કે અલ્લાહ ડરનેવાલોં કે સાથ હૈ.

વ અન્ફિકૂ ફી સબીલિલ્લાહિ વલા તુલ્ફૂ બિ-અય્દીકુમ ઇલત
 ઓર અલ્લાહકી રાહમેં ખર્ચ કરો ઓર અપને હાથોં હલાકત મેં ન પળો

તહલુકહ ૭ વ અહસિનૂ હં ઇન્નલ્લાહા યુહિબ્બુલ મુહસિનીન ૦
 ઓર ભલાઈ વાલે હો જાઓ, બેશક ભલાઈ વાલે અલ્લાહકો મહબૂબ હૈ.

વ અતિમ્બુલ હજ્જા વલ ઉમ્રતા લિલ્લાહ ૭ ફ-ઇન ઉહસિરતુમ
 ઓર હજ્જ ઓર ઉમ્રા અલ્લાહ કે લિએ પૂરા કરો, ફિર અગર તુમ રોકે જાઓ

ફ-મસ્તય-સરા મિનલ હદ્ય ટ વલા તહલિકૂ રુઝી-સકુમ હત્તા
 તો કુરબાની ભેજો જો મયસ્સર આએ, ઓર અપને સર ન મુંડાઓ જબતક

يَبْلُغُ الْهَدْيُ مَجْلَهُ، فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَرِيضًا
 أَوْ بِهِ آذَى مِنْ رَأْسِهِ، فَفِدْيَةٌ مِنْ صِيَامٍ أَوْ
 صَدَقَةٍ أَوْ نُسْكَ، فَإِذَا أَمُنْتُمْ مِنَ الْحَجِّ، فَمَنْ تَبَعَ
 إِلَى الْحَجِّ فَمَا اسْتَيْسَرَ مِنَ الْهَدْيِ، فَمَنْ لَمْ
 يَجِدْ فَصِيَامُ ثَلَاثَةِ أَيَّامٍ فِي الْحَجِّ وَ سَبْعَةٍ إِذَا
 رَجَعْتُمْ، تِلْكَ عَشْرَةٌ كَامِلَةٌ. ذَلِكَ لِمَنْ لَمْ يَكُنْ
 أَهْلَهُ حَاضِرِي الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ، وَاتَّقُوا اللَّهَ
 وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ. الْحَجُّ أَشْهُرٌ
 مَعْلُومَةٌ، فَمَنْ فَرَضَ فِيهِنَّ الْحَجَّ فَلَا رَفَثَ
 وَلَا فُسُوقَ وَلَا جِدَالَ فِي الْحَجِّ، وَمَا تَفَعَّلُوا مِنْ
 خَيْرٍ يَعْلَمُهُ اللَّهُ. وَتَزَوَّدُوا فَإِنَّ خَيْرَ الزَّادِ التَّقْوَى
 وَاتَّقُوا يَا أُولِي الْأَلْبَابِ، لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ
 أَنْ تَبْتَغُوا فَضْلًا مِنْ رَبِّكُمْ. فَإِذَا أَقَضْتُمْ

યહુગલ હદયુ મહિલ્લહ ૫ ફ-મન કાના
 કુરબાની અપને ઠિકાને ન પહુચ જાએ, ફિર જો

મિન્કુમ મરીદન અવ બિહી અઝમ મિર
 તુમમેં બીમાર હો યા ઉસકે સર મેં કુછ તકલીફ હૈ

રર-સિહી ફ-ફિદ-યતુમ મિન સિયામિન
 તો બદલા દે રોઝે

અવ સ-દ-ફતિન અવ નુસુક ૮
 યા ખૈરાત યા કુરબાની,

ફ-ધઝો અમિન્કુમ ૭ ફ-મન તમત્તઅ
 ફિરજબતુમ ઇત્મીનાનસેહો તો જો

બિલ ઉમરતિ ઇલલ હજિજ ફ-મસ્તય-સરા
 હજજ સે ઉમરા મિલાને કા ફાયદા ઉઠાએ ઉસપર

મિનલ હદય ૮ ફ-મલ્લમ યજિદ ફ-સિયામુ સલા-સતિ અથ્યામિન
 કુરબાની હૈ જૈસી મયસ્સર આએ, ફિર જિસે મકદૂર ન હો તો ત્રીન રોઝે

ફિલ હજિજ ૫ સબ્બતિન ઇઝા રજર-તુમ ૬ તિલ્કા અ-શ-રતુન
 હજજ કે દિનોમેં રખ્મે ઔર સાત જબ અપને ઘર પલટકર જાઓ. યે પૂરે દસ હુએ,

કામિલહ ૬ ઝાલિકા લિ-મલ્લમ યકુન અહલુહૂ હાદિરિલ મસ્જિદિલ
 યે હુકમ ઉસકે લિએ હૈ જો મક્કા કા રેહનેવાલા ન હો,

હરામ ૬ વત્તફુલ્લાહા વર-લમૂ અન્નલ્લાહા શદીદુલ ઇફાબ
 ઔર અલ્લાહ સે ડરતે રહો ઔર જાન રખ્મે કે અલ્લાહકા અઝાબ સખ્ત હૈ.

અલ હજજુ અરહુરુમ મર-લૂમાત ૮ ફ-મન ફ-રદા ફીહિન્નલ હજજા
 હજજ કે કઈ મહીને હૈ જાને હુએ, તો જો ઉનમેં હજજ કી નિયત કરે

ફલા ર-ફસા વલા ફુસૂફા ૧ વલા જિદાલા ફિલ હજજ ૬ વમા તફ-અલૂ
 તો ન ઔરતોકે સામને સોહબત કા તઝકિરા હો, ન કોઈ ગુનાહ, ન કિસીસે ઝગળા હજજ કે વક્ત તક, ઔર તુમ

મિન ખયરિય્ યર-લમહુલ્લાહ ૭ વ તઝવ્વદૂ ફ-ઇન્ના ખયરઝ
 જો ભલાઈ કરો અલ્લાહ ઉસે જાનતા હૈ ઔર તોશા સાથ લો કે સબસે બેહતર

ઝાદિત તફવા ૭ વત્તફૂનિ યો ઉલિલ અલ્માબ ૦ લય્સા અલય્કુમ
 તોશા પરહેઝગારી હૈ ઔર મુઝસે ડરતે રહો અય અકલ વાલો. તુમપર

જુનાહુન અન તબ્તગૂ ફદલમ મિર રઝિઝકુમ ૬ ફ-ધઝો અ-ફદતુમ
 કુછ ગુનાહ નહીં કે અપને રબ કા ફઝલ તલાશ કરો, તો જબ

مَنْ عَرَفْتِ فَادْكُرُوا اللَّهَ عِنْدَ الْمَشْعَرِ الْحَرَامِ
وَاذْكُرُوهُ كَمَا هَدَيْكُمْ وَإِنْ كُنْتُمْ مِنْ قَبْلِهِ لَمَنِ
الضَّالِّينَ ۝ ثُمَّ أَفِيضُوا مِنْ حَيْثُ أَفَاضَ النَّاسُ
وَاسْتَغْفِرُوا اللَّهَ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ فَإِذَا
قَضَيْتُمْ مَنَاسِكَكُمْ فَاذْكُرُوا اللَّهَ كَذِكْرِكُمْ
آبَاءَكُمْ أَوْ أَشَدَّ ذِكْرًا ۚ فَمِنَ النَّاسِ مَنْ
يَقُولُ رَبَّنَا آتِنَا فِي الدُّنْيَا وَمَالَهُ فِي الْآخِرَةِ
مِنْ خَلْقٍ ۝ وَمِنْهُمْ مَنْ يَقُولُ رَبَّنَا آتِنَا فِي
الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْآخِرَةِ حَسَنَةً وَقِنَا عَذَابَ
النَّارِ ۝ أُولَئِكَ لَهُمْ نَصِيبٌ مِمَّا كَسَبُوا ۚ
وَاللَّهُ سَرِيعُ الْحِسَابِ ۝ وَاذْكُرُوا اللَّهَ فِي أَيَّامٍ
مَعْدُودَاتٍ ۚ فَمَنْ تَعَجَّلَ فِي يَوْمَيْنِ فَلَا إِشْمَ
عَلَيْهِ ۚ وَمَنْ تَأَخَّرَ فَلَا إِشْمَ عَلَيْهِ ۚ لِمَنِ انْتَعَمَ

وَأَتُوا اللَّهَ

مَنْ

٤٢

मिन अ-रफातिन इमकुल्लाहा धन्धल

अरफात से पलटो तो अल्लाह की याद करो

मशअरिल हुरामि ॥ वमकुल्लु कमा

मशअरे हुराम के पास, और उसका जिक्र करो जैसे

हदाकुम ८ व धन कुन्तुम मिन इजिलही

उसने तुम्हें हदायत करमाई और बेशक इससे पेहले

ल-मिनद दाल्लिन ० सुम्मा अझीदू मिन

तुम बेहके हुअे थे. फिर बांत ये है के अय कुरैशियो तुम

हयसु अफादन नासु वस्तइरुल्लाह ८

बी वहीसे पलटो जइसे लोग पलटते हैं, और अल्लाहसे मुआफी मांगो,

धन्नल्लाहा गइरुर रहिम ०

बेशक अल्लाह बप्शने वाला महेरबान है

इ-धम। इदयतुम मनासि-इकुम इमकुल्लाहा इ-मिक्किरकुम

फिर जब अपने हजज के काम पूरे कर चुको तो अल्लाह का जिक्र करो जैसे

आभा-अकुम अक् अशद्दा मिक्का ८ इ-मिनन नासि

अपने बाप दादा का जिक्र करते थे, बल्के उससे जियादा, और कोई आदमी

मंय् यकूलु रब्बनो आतिना इद दुन्या वमा लहू

यूं केहता है के अय रब हमारे हमें दुनिया में दे और

इल आभि-रति मिन जलाइ ० व मिन्हुम मंय् यकूलु रब्बनो

आभिरत में उसका कुछ हिस्सा नहीं. और कोई यूं केहता है के अय रब हमारे

आतिना इद दुन्या इ-स-नतंप् व इल आभि-रति इ-स-नतंप्

हमें दुनिया में भलाई दे और हमें आभिरत में भलाई दे

व इना अम्रान नार ० उलायका लहुम नसीनुम मिम्मा इ-सजू ८

और हमें अजाबे दोज्ज से बचा. औसोंको उनकी कमाई से भाग है.

वल्लाहु सरीउल हिसाब ० वमकुल्लाहा इी अय्यामिम मर-दूदात ८

और अल्लाह जल्द हिसाब करने वाला है. और अल्लाह की याद करो गिने हुअे दिनों में.

इ-मन तअज्जला इी यप्मय्नि इलो धस्मा अलेह ८

तो जो जल्दी करके दो दिन में चला जाअे उसपर कुछ गुनाह नहीं

व मन तअज्जरा इलो धस्मा अलय्हि ४ लि-मनित तइ ८

और जो रेह जाअे तो उसपर गुनाह नहीं परहेजगार के लिअे,

وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّكُمْ إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ
وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَعْجِبُكَ قَوْلُهُ فِي الْحَيَاةِ
الدُّنْيَا وَيُشْهِدُ اللَّهَ عَلَى مَا فِي قَلْبِهِ ۖ وَهُوَ أَلَدُّ
الْخِصَامِ ۖ وَإِذَا تَوَلَّى سَعَىٰ فِي الْأَرْضِ لِيُفْسِدَ
فِيهَا وَيُهْلِكَ الْحَرْثَ وَالنَّسْلَ ۗ وَاللَّهُ لَا يُحِبُّ
الْفُسَادَ ۖ وَإِذَا قِيلَ لَهُ اتَّقِ اللَّهَ أَخَذَتْهُ الْعِزَّةُ
بِالْأَثْمِ ۖ فَحَسْبُ جَهَنَّمَ ۖ وَلِبَئْسَ الْمِهَادُ ۖ وَمِنَ
النَّاسِ مَنْ يَشْرِي نَفْسَهُ ابْتِغَاءَ مَرْضَاتِ اللَّهِ
وَاللَّهُ رَءُوفٌ بِالْعِبَادِ ۖ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا ادْخُلُوا
فِي السِّلْمِ كَافَّةً ۖ وَلَا تَتَّبِعُوا خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ ۗ
إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ ۖ فَإِنْ زَلَلْتُمْ مِنْ بَعْدِ مَا
جَاءَتْكُمُ الْبَيِّنَاتُ فَاَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ۖ
هَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا أَنْ يَأْتِيَهُمُ اللَّهُ فِي ظُلُلٍ مِّنَ

الْقَمَاف

مَنْزِلٍ

۴۳

पत्तकुल्लाह। पयलमू अन्नकुम धलय्ति
और अल्लाह से डरते रहो और जान रखो के तुम्हें उसीकी
तुह-शरून ० व मिनन नासि मंय
तरफ़ उठना है। और बा'अ आदमी वो है के
युय-जिबुका कपलुहू हिल हयातिह दुन्या
दुनिया की जिन्दगी में उसकी बात तुझे लकी लगे
व युयहिल्लाह। अला मा ही कलिही ५
और अपने दिलकी बात पर अल्लाह को गवाह लाओ
वहुवा। अलहदुल ज़िसाम ०
और वो सबसे बणा जगणालू है।
व धमा तपला सया हिल अरदि
और जब पीठ फेरे तो जमीन में इसाह डालता फिरे

लि-युसिह। हीह। व युहलिकल हर्सा। पन्नस्ल ७ पल्लाहु ला
और जेती और जनें तबाह करे और अल्लाह

युहिज्जुल इसाह ० व धमा हीला लहुत्तफिल्लाह। अ-ज्जुल
इसाह से राजी नही। और जब उससे कहा जाये के अल्लाह से डरो तो उसे

धम्-मतु मिल धस्मि इ-हस्जुहू जहन्नम ७ व ल-जिर-सल
और जिह यण्डे गुनाह की, जैसे को दोज्ज काही है, और वो जरूर बहुत बुरा

मिहाह ० व मिनन नासि मंय यशरी नह-सहुजिगाया मरदातिल्लाह ७
बिछौना है। और कोई आदमी अपनी जान बेचता है अल्लाह की मरजी याहने में।

पल्लाहु रजिकुम मिल धमाह ० या अय्युहल लमीना आ-मनुह-जुलू
और अल्लाह बन्दों पर मेहरबान है। अय ईमान वालो !

हिस सिस्मि काह-हह ७ वला तत्तजिहि जुतुवातिश शय्तान ७
ईसलाम में पूरे दाखिल हो और शैतान के कदमों पर न चलो

धन्नहू लकुम अदुप्पुम मुजीन ० इ-धन जलत्तुम मिम जय-दि
बेशक वो तुम्हारा जुला दुश्मन है। और अगर इसके बाद भी बियलो

मा जअत्कुमुल जय्यिनातु इय-लमू अन्नल्लाह। अमीमुन हकीम ०
के तुम्हारे पास रौशन हुकम आ चुके तो जान लो के अल्लाह जबरदस्त हिकमत वाला है।

हल यन्जुरूना धल्लो अय् यय-ति-यहुमुल्लाहु ही मु-ललिम मिनल
काहे के इन्तेज़ार में हैं मगर येही के अल्लाह का अजाब आये छाये हुअे बादलों में

الْغَمَامِ وَالْمَلَكَةِ وَقَضَى الْأَمْرَ وَإِلَى اللَّهِ
 تُرْجَعُ الْأُمُورُ سَلِّ بَنِي إِسْرَءِيلَ كَمْ اتَّبَعْتَهُمْ
 مِنْ آيَةٍ بَيِّنَةٍ وَمَنْ يُبَدِّلْ نِعْمَةَ اللَّهِ مِنْ
 بَعْدِ مَا جَاءَتْهُ فَإِنَّ اللَّهَ شَدِيدُ الْعِقَابِ ۝
 زَيْنَ الَّذِينَ كَفَرُوا الْحَيَاةُ الدُّنْيَا وَيَسْخَرُونَ
 مِنَ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ اتَّقَوْا فَوْقَهُمْ يَوْمَ
 الْقِيَامَةِ ۝ وَاللَّهُ يَزُكُّ مَنْ يَشَاءُ بِغَيْرِ حِسَابٍ ۝
 كَانَ النَّاسُ أُمَّةً وَاحِدَةً فَبَعَثَ اللَّهُ النَّبِيِّينَ
 مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَ وَأَنْزَلَ مَعَهُمُ الْكِتَابَ
 بِالْحَقِّ لِيَحْكُمَ بَيْنَ النَّاسِ فِي مَا اخْتَلَفُوا فِيهِ
 وَمَا اخْتَلَفَ فِيهِ إِلَّا الَّذِينَ أُوتُوهُ مِنْ بَعْدِ
 مَا جَاءَتْهُمْ الْبَيِّنَاتُ بَغْيًا بَيْنَهُمْ ۚ فَهَدَى اللَّهُ
 الَّذِينَ آمَنُوا لِمَا اخْتَلَفُوا فِيهِ مِنَ الْحَقِّ بِإِذْنِهِ ۚ

وَاللَّهُ يَهْدِي

مَنْ يَشَاءُ

गमामि वल मलाध-कुतु व कुदियल
 और करिश्ते उतरें और काम हो चुके,

अमर ७ व धललाहि तुर-जउल उमूर ८
 और सब कामों का पुज्ज अल्लाहकी तरफ है.

सल जनी धसूर्यला कम आतयनाहुम
 जनी इसराईल से पूछो के हमने कितनी

मिन आ-यतिम जरियनह ७
 रीशन निशानियां उन्हे दी

व मय् युजदहिल निर-मतल्लाहि
 और जे अल्लाहकी आर्थ हुई नेमत को बदल दे

मिम जर-हि मा जअलहु इ-धन्नल्लाहि
 तो बेशक अल्लाहका

शहीदुल धकाज ० मुख्यिना लिल्लमीना इ-इरुल हयातुद हुन्या व
 अजाज सप्त है. काकिरो की निगाह में दुनिया की जिन्दगी आरासता की गई और

यरभरून। मिनल लमीना आ-मनू ७ वल्लमीनत तइप्
 मुसलमानों से डसते हैं, और ३२ वाले

इप्-इहुम यप्-मल इयामह ७ वल्लाहु यरमुकु मय् यशाउ मि-गय्रि
 उनसे उपर होंगे क्यामत के दिन, और जुदा जिसे याहे बे-गिन्ती दे.

हिसाज ० कानन नासु उम्मतंप् वाहिदह ७ इ-ज-असल्लाहुन
 लोग अक दीन पर थे, फिर अल्लाहने

नजियीना मुजरिशरीना व मुजरीना ७ व अजल।
 अम्बिया भेजे भुशभरी देते और ३२ सुनाते, और

म-अहुमुल किताजा मिल हकिं लि-यहकुमा जयनन नासि इी
 उनके साथ सखी किताब उतारी के वो लोगोंमें उनके इप्तेवाकों का फैसला कर दे.

मप्त-लइ इीह ७ व मप्त-लइ इीहि धलल लमीना उतूहु मिम
 और किताब में इप्तेवाक उन्हींने डावा जिनको दी गई थी

जर-हि मा जअलहुमुल जयिनातु जयम जय-नहुम ७ इ-हदल्लाहुल
 बाद इसके के उनके पास रीशन हुकम आ चुके, आपस की सरकशी से तो अल्लाह तआला ने

लमीना आ-मनू लि-मप्त-लइ इीहि मिनल हकिं मि-धमनिह ७
 इमान वालोंको वो हक बात सुजा दी जिसमें जगण रहे थे अपने हुकम से

وَاللَّهُ يَهْدِي مَنْ يَشَاءُ إِلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ۝
 أَمْ حَسِبْتُمْ أَنْ تُدْخَلُوا الْجَنَّةَ وَلَمَّا يَأْتِكُمْ مَثَلُ
 الَّذِينَ خَلَوْا مِنْ قَبْلِكُمْ ۖ مَسْتَهْمُهُمُ الْبِاسَاءُ وَ
 الظَّرَاءُ وَزُلْزَلُوا حَتَّى يَقُولَ الرَّسُولُ وَالَّذِينَ
 آمَنُوا مَعَهُ مَتَى نَصْرُ اللَّهِ ۖ أَلَا إِنَّ نَصْرَ اللَّهِ قَرِيبٌ ۝
 يَسْأَلُونَكَ مَاذَا يُنْفِقُونَ ۖ قُلْ مَا أُنْفِقُ مِنْ خَيْرٍ
 فَلِلَّهِ الدِّينُ وَالْآقَرِبِينَ وََالْيَتَامَى وََالْيَتَامَى
 وَابْنِ السَّبِيلِ ۖ وَمَا تَفْعَلُوا مِنْ خَيْرٍ فَإِنَّ اللَّهَ
 بِهِ عَلِيمٌ ۝ كُتِبَ عَلَيْكُمُ الْقِتَالُ وَهُوَ كَرْهٌ لَكُمْ ۖ
 وَعَسَى أَنْ تَكْرَهُوا شَيْئًا وَهُوَ خَيْرٌ لَكُمْ ۖ وَ
 عَسَى أَنْ تُحِبُّوا شَيْئًا وَهُوَ شَرٌّ لَكُمْ ۖ وَاللَّهُ
 يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ۝ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الشَّهْرِ
 الْحَرَامِ قِتَالٍ فِيهِ ۖ قُلْ قِتَالٌ فِيهِ كَبِيرٌ ۖ وَصَدَّ

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ

مَنْزِلًا

45

पल्लाहु यहदी मंय् यशाहि धला सिरातिम
 और अल्लाह जिसे चाहे सीधी राह दिभाये.

मुस्तफीम ○ अम हसिबुम अन
 क्या इस गुमान में हो के

तदभुलुल जन्नता व लम्मा यर-तिकुम
 जन्नत में यले जाओगे और अली तुमपर

म-सलुल लमीन। जलव् मिन
 अगलों की सी रुदाद न आई

इल्लिकुम ७ मस्सलुमुल जर-साहि
 पहुँची उ-हें सप्ती

वद-दर्राहि व मुल्लिलू हत्ता यकूलर
 और शिदत और छिदा छिदा डाले गये यहाँ तक के केह

रसूलु पल्लमीन। आ-मनू म-अहू मता नसरुल्लाह ७ अलौ धन्न।
 उहा रसूल और उसके साथके धिमान वाले, कब आयेगी अल्लाह की मदद, सुन लो के बेशक

नसरुल्लाहि करीब ○ यस्अलू-नका मा मा युन्फिकून ७ कुल मो
 अल्लाह की मदद करीब है. तुमसे पूछते हैं क्या खर्च करें. तुम करमाओ,

अन्फिकुम मिन जयूरिन इ-लिल वालिदय्नि वल अइ-रमीन।
 जो कुछ माल नेकी में खर्च करो तो वो मां-बाप और करीब के रिश्तेदारों

वल यतामा वल मसाकीनि वल्लिस सलील ७ वमा तइ-अलू मिन जयूरिन
 और यतीमों और मोड़ताजों और राहगीर के लिये है, और जो भलाई करो

इ-धन्नल्लाहा मिही अलीम ○ कुतिना अलय्कुमुल क़ितालु वहुवा
 बेशक अल्लाह उसे जानता है. तुमपर कर्ज हुवा जुदाकी राह में लणना, और वो

कुरहुल लकुम ७ व असौ अन तइ-रहू शय्अंप् व हुवा जयूरुल लकुम ७
 तुम्हें नागवार है, और करीब है के कोई बात तुम्हें बुरी लगे और वो तुम्हारे हक में बेहतर हो,

व असौ अन तुहिब्बू शय्अंप् वहुवा शररुल लकुम ७ पल्लाहु यर-लमु
 और करीब है के कोई बात तुम्हें पसन्द आये और वो तुम्हारे हक में बुरी हो, और अल्लाह जानता है

व अन्तुम ला तर-लमून ७ यस्अलू-नका अनिश शहरिल हुरामि
 और तुम नहीं जानते. तुमसे पूछते हैं माहे हराम में लणने का हुकम,

क़ितालिन हीह ७ कुल क़ितालुन हीहि क़मीर ७ व सद्दुन
 तुम करमाओ उसमें लणना बणा गुनाह है, और

عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ وَكَفَرِيهِ وَالْمَسْجِدِ الْحَرَامِ
وَإِخْرَاجِ أَهْلِهِ مِنْهُ أَكْبَرُ عِنْدَ اللَّهِ وَالْفِتْنَةُ
أَكْبَرُ مِنَ الْقَتْلِ وَلَا يَزَالُونَ يُقَاتِلُونَكُمْ حَتَّى
يَرُدُّوكُمْ عَنْ دِينِكُمْ إِنِ اسْتَطَاعُوا وَمَنْ
يَرْتَدِدْ مِنْكُمْ عَنْ دِينِهِ فَيَمُتْ وَهُوَ كَافِرٌ
فَأُولَئِكَ حَبِطَتْ أَعْمَالُهُمْ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ
وَأُولَئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ
إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَاجَرُوا وَجَاهَدُوا فِي
سَبِيلِ اللَّهِ أُولَئِكَ يَرْجُونَ رَحْمَتَ اللَّهِ وَاللَّهُ
غَفُورٌ رَحِيمٌ يَسْأَلُونَكَ عَنِ الْخَيْرِ وَالْأَنْبِيَاءِ قُلْ
فِيهِمَا إِثْمٌ كَبِيرٌ وَمَنْ فَاعِلٌ لِلنَّاسِ دَوَائِبُهُمَا أَكْبَرُ
مِنْ تَفْعِهِمَا وَيَسْأَلُونَكَ مَاذَا يُنْفِقُونَ قُلْ
الْعَفْوُ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ الْآيَاتِ لَعَلَّكُمْ

تَتَفَكَّرُونَ

مَنْزِلًا

45

અન સબીલિલ્લાહિ વ કુફરુમ બિહી
ઔર અલ્લાહ કી રાહસે રોકના ઔર ઉસપર ઈમાન ન લાના
વલ મસ્જિદિલ હરામિ ઉ વ ઘપરાબુ
ઔર મસ્જિદે હરામ સે રોકના ઔર ઉસકે બસને
અહલિહી મિન્હુ અક-બરુ ઘન્દલ્લાહ
વાલોકોનિકાલદેના અલ્લાહ કે નઝદીક ચે ગુનાહ ઉસસે ભી બળે હૈ
વલ ફિત્નતુ અક-બરુ મિનલ કત્લ
ઔર ઉનકા ફસાદ કત્લ સે સખ્ત તરે હૈ,
વલા યઝાલૂના યુફાતિલૂ-નકુમ
ઔર હમેશા તુમ લખતે રહેંગે
હત્તા યરુદ્દુકુમ અન દીનિકુમ

પહાં તક કે તુમહેં તુમહારે દીન સે ફેર દે

ધનિસ્-તતાઊિ વ મંય ચર-તદિદ મિન્કુમ અન દીનિહી ફ-યમુત વહુવા
અગર બન પળે, ઔર તુમમેં જો કોઈ અપને દીનસે ફિરે ફિર કાફિર હોકર મરે
કાફિરુન ફ-ઉલ્લાઘકા હબિતત અર-માલુહુમ ફિદ દુન્યા વલ
તો ઉન લોગોંકા કિયા અકારત ગયા દુનિયા મેં ઔર

આખિરહ વ વ ઉલ્લાઘકા અરહાબુન નાર હુમ ફીહા ખાલિદૂન
આખિરત મેં, ઔર વો દોઝખ વાલે હૈં, ઉન્હેં ઉસમેં હમેશા રેહના.

ધન્નલ લઝીના આ-મનૂ વલ્લઝીના હા-જરૂ વ જા-હદૂ ફી સબીલિલ્લાહિ
વો જો ઈમાન લાએ ઔર વો જિન્હોંને અલ્લાહ કે લિએ અપને ઘરબાર છોળે ઔર અલ્લાહકી રાહમેં લળે
ઉલ્લાઘકા યરબૂના રહ-મતલ્લાહ વ વલ્લાહુ ગફુરુર રહીમ વ યસ્અલૂ-નકા
વો રહમતે ઇલાહી કે ઉમ્મીદવાર હૈં ઔર અલ્લાહ બખ્શને વાલા મેહરબાન હૈ. તુમસે

અનિલ ખમ્મિ વલ મય્સિર વ કુલ ફીહિમો ઘરમુન કબીરું
શરાબ ઔર જૂએ કા હુકમ પૂછતે હૈં, તુમ ફરમાદો કે ઇન દોનોંમેં બળા ગુનાહ હૈ

વ મનાફિઉ લિન્નાસિ વ ઘરમુહુમા અક-બરુ મિન નફઘહિમા
ઔર લોગોંકે કુછ દુન્યવી નફા' ભી ઔર ઇનકા ગુનાહ ઇનકે નફે સે બળા હૈ

વ યસ્અલૂ-નકા મા ઝા યુન્ફિફૂન વ કુલિલ અફવ
તુમસે પૂછતે હૈં, ક્યા ખર્ચ કરેં તુમ ફરમાઓ, જો ફાઝિલ બચે

કઝાલિકા યુબરિયનુલ્લાહુ લ-કુમુલ આયાતિ લઅલ્લકુમ
ઇસી તરહ અલ્લાહ તુમસે આયતેં બયાન ફરમાતા હૈ કે કહી

تَتَفَكَّرُونَ ۝ فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ وَيَسْأَلُونَكَ
عَنِ الْيَتَامَىٰ قُلْ إِصْلَاحٌ لَهُمْ خَيْرٌ وَإِنْ تُخَالِطُوهُمْ
فَأَحْوَانُكُمْ ۖ وَاللَّهُ يَعْلَمُ الْمُفْسِدَ مِنَ الْمُصْلِحِ
وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَأَعْنَتَكُمْ ۚ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ۝
وَلَا تَنْكِحُوا الْمُشْرِكَةَ حَتَّىٰ يُؤْمِنَ ۚ وَلَا مُمْمِنَةٌ
مُشْرِكَةٌ وَلَا تُنْكِحُوا الْمُشْرِكِينَ حَتَّىٰ يُؤْمِنُوا ۚ وَلَعَبْدٌ مُّؤْمِنٌ خَيْرٌ مِّنْ
مُّشْرِكٍ وَلَا تُنْكِحُوا الْمُشْرِكِينَ حَتَّىٰ يَأْتِيَكُمُ الْيَقِينُ ۚ
وَاللَّهُ يَدْعُو إِلَى الْجَنَّةِ وَالْمَغْفِرَةِ بِإِذْنِهِ
وَيُبَيِّنُ آيَاتِهِ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ۝
وَيَسْأَلُونَكَ عَنِ الْمَحِيضِ قُلْ هُوَ أَذًى فَأَعْتَزِلُوا
النِّسَاءَ فِي الْمَحِيضِ وَلَا تَقْرَبُوهُنَّ حَتَّىٰ يَطْهُرْنَ
فَإِذَا طَهَّرْنَ فَأَتُوهُنَّ مِنْ حَيْثُ أَمَرَكُمُ اللَّهُ ۚ

إِنَّ اللَّهَ

مَعْلُومٌ

٤٧

त-त-क-क-रून ॥ किह दुन्या वल आभिरह ॥
तुम दुनिया व आभिरत के काम सोचकर करो
व यस्थलू-नका अनिल यतामा ॥ कुल
और तुमसे यतीमों का भस्मला पूछते हैं, तुम फरमाओ,
घस्लाहुल लहुम भेर ॥ व धन तुजालितुहम
उनका भंला करना बेहतर है और अगर अपना उनका
इ-धप्पानुकुम ॥ वल्लाहु यर-लमुल
भर्यमिला वो तो वो तुम्हारे भाई हैं और भुदा भूज जनता है
मुहसिदा मिनल मुहिलह ॥ व लव
बिगाजने वालेको संवारने वालेसे, और
शाअल्लाहु ल-अर-न-तकुम ॥ धन्नल्लाहा
अल्लाह याहता तो तुम्हें मुशकतमें डलता, बेशक अल्लाह

अमीमुन हकीम ० वला तन्किहुल मुशिरकाति हत्ता यु-मिन्न ॥
जबरदस्त छिक्मत वाला है. और शिर्क वाली औरतोंसे निकाह न करो जबतक मुसलमान न हो जायें,
व ल-अ-मतुम मु-मि-नतुम जयुरुम मिम मुशिर-कतिव् व लव
और बेशक मुसलमान लौंडी मुशरिका से अच्छी है अगरये
अर-ज-जकुम ॥ वला तुन्किहुल मुशिरकीना हत्ता यु-मिन्नू ॥
वो तुम्हें बताती हो, और मुशरिकोंके निकाह में न हो जबतक वो ईमान न लायें,
व ल-अ-जकुम मु-मि-नुन जयुरुम मिम मुशिरकिव् व लव अर-ज-जकुम ॥
और बेशक मुसलमान गुलाम मुशरिक से अच्छा है अगरये वो तुम्हें बताता हो,
उलोधका यदधिना धलन नार ह वल्लाहु यदधि धलल जन्नति वल
वो दोजा की तरफ बुलाते हैं और अल्लाह जन्नत और
महि-रति मि-धमनिह ॥ व युजयिनु आयातिही लिन्नासि लअल्लहुम
बज्जिश की तरफ बुलाता है अपने हुकम से, और अपनी आयतें लोगोंके दिअे बयान करता है के कहीं वो
य-त-क-क-रून ॥ व यस्थलू-नका अनिल महीह ॥ कुल हुवा अज़न ॥
नसीहत मानें. और तुमसे पूछते हैं हैज का हुकम, तुम फरमाओ, वो नापाकी है
इ-त-मिलुन निसाया हिल महीह ॥ वला त-र-रुहुन्ना हत्ता यदुर्न ॥
तो औरतोंसे अलग रहो हैज के दिनो और उनसे नजदीकी न करो जबतक पाक न होवे,
इ-धम तदह-हरना इ-त-रुहुन्ना मिन हय्सु अ-म-रकुमुल्लाह ॥
किर जब पाक हो जायें तो उनके पास जाओ जहांसे तुम्हें अल्लाहने हुकम दिया

إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ التَّوَّابِينَ وَيُحِبُّ الْمُتَطَهِّرِينَ ۝
 نِسَاؤُكُمْ حَرْثٌ لَّكُمْ فَاَتُوا حَرْثَكُمْ اِنَّيْ شَتْمُكُمْ
 وَقَدْ مُوَا لَانْفُسِكُمْ ۝ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّكُمْ
 مُلْقَوْنَ ۝ وَبَشِّرِ الْمُؤْمِنِينَ ۝ وَلَا تَجْعَلُوا اللَّهَ عُرْضَةً
 لِأَيْبَانِكُمْ اَنْ تَبَرُّوْا وَتَتَّقُوا وَتُصْلِحُوا بَيْنَ
 النَّاسِ ۝ وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝ لَا يُؤَاخِذُكُمُ اللَّهُ
 بِاللَّغْوِ فِىْ اَيْبَانِكُمْ وَلَكِنْ يُؤَاخِذُكُمْ بِمَا كَسَبَتْ
 قُلُوبُكُمْ ۝ وَاللَّهُ غَفُوْرٌ حَلِيْمٌ ۝ لِلَّذِيْنَ يُؤْتُونَ
 مِنْ نِّسَائِهِمْ تَرَبُّصُ اَرْبَعَةٍ اَشْهُرٍ ۝ اِنْ قَاءُوْا
 فَاِنَّ اللَّهَ غَفُوْرٌ رَّحِيْمٌ ۝ وَاِنْ عَزَمُوا الطَّلَاقَ
 فَاِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيْمٌ ۝ وَالْمُطَلَّقَتُ يَتَرَبَّصْنَ
 بِاَنْفُسِهِنَّ ثَلَاثَةَ قُرُوْءٍ ۝ وَلَا يَحِلُّ لِهِنَّ اَنْ
 يَّكْتُمْنَ مَا خَلَقَ اللَّهُ فِىْ اَرْحَامِهِنَّ اِنْ كُنَّ

يُؤْمِنَنَّ بِاللَّهِ

مَنْعًا

48

धन्नल्लाह। युहिब्बुल तप्पाजीना। व
 बेशक अल्लाह पसन्द करता है बहुत तौबा करनेवालों को और
 युहिब्बुल मु-ततह्हिरीन ० निसाउकुम
 पसन्द रखता है सुथरों को। तुम्हारी औरतें
 हरसुल लकुम ॥ हर-तू हर-सकुम
 तुम्हारे विषये भेतिषां हैं, तो आओ अपनी भेतिषों में
 अन्ना शिर-तुम ॥ व इद्दिमू
 जिस तरह थाओ, और अपने लविका काम
 लि-अन्कुसिकुम ॥ वत्तकुल्लाह।
 पेहले करो और अल्लाह से डरते रहो
 वर-लमू अन्नकुम मुलाकूह ॥
 और जान रखो के तुम्हें उससे मिलना है

व अशिशरिल मुच-मिनीन ० वला तज्जलुल्लाह। इर-दतल
 और अय महबूब बशारत दो ईमान वालोंको। और अल्लाह को

लि-अय्मानिकुम अन तजरू व तत्तकू व तुस्लिहू अयन्नन नास ॥
 अपनी कसमोंका निशाना न बना लो के ओहसान और परहेजगारी और लोगोंमें सुलह करने की कसम करलो,

वल्लाहु समीउन अलीम ० ला युआज़िमुकुमुल्लाहु जिल लरिव
 और अल्लाह सुनता जानता है। अल्लाह तुम्हें नहीं पकणता उन कसमों में जो

ही अय्मानिकुम व लाकिंय युआज़िमुकुम जिमा इ-सजत कुलूबुकुम ॥
 बे-ईरादा ज़बान से निकल जाये, हां उसपर गिरिफ्त करमाता है जो काम तुम्हारे दिलोंने किये

वल्लाहु ग़फ़ूरुन हलीम ० लिल्लहिीना युलूना भिन निसाधहिम तरब्बुसु
 और अल्लाह बप्शनेवाला छिस्मवाला है। और वो जो कसम जा बैठते हैं अपनी औरतोंके पास जानेकी

अर-अति अश्हुर ८ इ-धन इाडि इ-धन्नल्लाह। ग़फ़ूर रहीम ०
 उन्हें चार महीने की मोहलत है, पस अगर इस मुद्दत में फिर आये तो अल्लाह बप्शनेवाला मेहरबान है।

व धन अ-ममुत तलाफ़ा इ-धन्नल्लाह। समीउन अलीम ० वल मुतल्लफ़ातु
 और अगर छोण देनेका ईरादा पक्का कर लिया तो अल्लाह सुनता जानता है। और तलाक़ वालियां

य-तरब्बसुना जि-अन्कुसिहिन्ना सला-सता कुरू ॥ वला यहिल्लु
 अपनी जानोंको रोके रहें तीन हैज तक, और उन्हें हलाक़ नहीं

लहुन्ना अय् यक्तुम्ना मा ज़-लफ़ल्लाहु ही अरहामिहिन्ना धन कुन्ना
 के छुपाओं वो जो अल्लाह ने उनके पेटमें पैदा किया अगर

يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ، وَبُعُولَتُهُنَّ أَحَقُّ بِرَدِّهِنَّ فِي ذَلِكَ إِنْ أَرَادُوا إِصْلَاحًا وَلَهُنَّ مِثْلُ الَّذِي عَلَيْهِنَّ بِالْمَعْرُوفِ، وَلِلرِّجَالِ عَلَيْهِنَّ دَرَجَةٌ، وَاللَّهُ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ۝ اَلطَّلَاقُ مَرَّتَيْنِ ۝ فَاِمْسَاكِ بِمَعْرُوفٍ اَوْ تَسْرِيحٍ بِاِحْسَانٍ ۝ وَلَا يَحِلُّ لَكُمُ اَنْ تَاْخُذُوْا مِمَّا اَتَيْتُمُوْهُنَّ شَيْئًا اِلَّا اَنْ يَخَافَا اَلَّا يَقِيْمَا حُدُوْدَ اللّٰهِ ۝ فَاِنْ خِفْتُمْ اَلَّا يَقِيْمَا حُدُوْدَ اللّٰهِ ۝ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا فِيْهَا اِفْتَدَتْ بِهٖ ۝ تِلْكَ حُدُوْدُ اللّٰهِ ۝ فَلَا تَعْتَدُوْهَا ۝ وَمَنْ يَتَعَدَّ حُدُوْدَ اللّٰهِ ۝ فَاُولٰٓئِكَ هُمُ الظَّالِمُوْنَ ۝ ۝ فَاِنْ طَلَّقَهَا ۝ فَلَا تَحِلُّ لَهٗ مِنْ بَعْدِ حَتٰى تَنْكِحَ رَجُلًا غَيْرًا ۝ ۝ فَاِنْ طَلَّقَهَا ۝ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا اَنْ يَتَرَاجَعَا اِنْ ظَنَّا اَنْ يَقِيْمَا حُدُوْدَ اللّٰهِ ۝ وَتِلْكَ

حُدُوْدُ اللّٰهِ

مَنْزِلًا

49

युग्मिन्ना भिल्लाहि वल यव्मिल आभिर ७
अल्लाह और क्यामत पर ईमान रखती हैं,
व भुवि-लतुहण्णा अ-हङ्कु भि-रद्विहिण्णा
और उनके शौहरों को इस मुद्दतके अन्दर उनके डेर लेनेका
ही मालिका धन अराहू धरलाहा ७ व
इक पहुंचता है अगर भिलाप याहें, और
लहण्णा भिरलुल लगी अलयहिण्णा भिल
औरतोंका भी इक औसा ही है जैसा उनपर है
मर-रूह ७ व लिर रिजलि अलयहिण्णा
शरअ के मुवाकिफ, और मरदोंको उनपर
द-रजह ७ वल्लाहु अमीमुन हकीम ७
इमीलत है, और अल्लाह गालिब डिक्मत वाला है.

अतलाहु मर-रतान ७ इ-धम्साकुम भि-मर-रूहिन अप तसरीहुम
ये तलाक दो बार तक है, फिर लवाईके साथ रोक लेना है या

भि-धहसान ७ वला यहिल्लु लकुम अन तर-भुम् मिम्मा
निकोईके साथ छोड़ देना है, और तुम्हें रवा नहीं के जे कुछ

आतय्तुमूहण्णा शयअन धल्लो अय यभाहो अल्ला युफीमा
औरतोंको दिया उसमेंसे कुछ वापस लो मगर जब दोनोंको अन्देशा हो के

हुदूदल्लाह ७ इ-धन भिरतुम अल्ला युफीमा हुदूदल्लाहि ७ इला जुनाहा
अल्लाहकी इदें काईम न करेंगे, फिर अगर तुम्हें भौफ हो के वो दोनों ठीक उन्ही इदों पर न रहेंगे तो

अलयहिमा ही मर-तदत भिह ७ तिल्का हुदूदल्लाहि इला तर-तदूहा ७
उनपर कुछ गुनाह नहीं उसमें जे बदला देकर औरत छुड़ी ले, ये अल्लाहकी इदें हैं, धनसे आगे न बण्डो,

व मय य-तअद-दा हुदूदल्लाहि इ-उलोधका हुमुम् मालिभून ७ इ-धन
और जे अल्लाहकी इदोंसे आगे बण्डे तो वोही लोग आलिम हैं. फिर अगर

तल्ल-इहा इला तहिल्लु लहू मिम भर-हु हत्ता तनकिहा मयजन
तीसरी तलाक उसे दी तो अब वो औरत उसे उलाल न होगी जबतक दूसरे भाविन्द के पास न रहे

गय्रह ७ इ-धन तल्ल-इहा इला जुनाहा अलयहिमा अय
फिर वो दूसरा अगर धनसे तलाक देदे तो धन दोनों पर गुनाह नहीं के

य-तरा-जयो धन मुन्नो अय युफीमा हुदूदल्लाह ७ व तिल्का
फिर आपसमें मिल जायें अगर समजते हों के अल्लाहकी इदें निभाहेंगे, और ये

حُدُودُ اللَّهِ يُبَيِّنُهَا لِقَوْمٍ يَعْلَمُونَ ۚ وَإِذَا طَلَقْتُمُ
النِّسَاءَ فَلْيُغْنِ أَجَلُهُنَّ فَامْكُوهُنَّ مِمَّاعْرُوفٍ
أَوْ سَرِّحُوهُنَّ بِمَعْرُوفٍ ۚ وَلَا تَبْسُكُوهُنَّ ضَرَارًا
لِتَعْتَدُوا ۚ وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ فَقَدْ ظَلَمَ نَفْسَهُ ۚ
وَلَا تَتَّخِذُوا آيَاتِ اللَّهِ هُزُوًا ۚ وَادْكُرُوا نِعْمَتَ
اللَّهِ عَلَيْكُمْ وَمَا أَنْزَلَ عَلَيْكُمْ مِنَ الْكِتَابِ
وَالْحِكْمَةِ يَعِظُكُمْ بِهِ ۚ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ
اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ۚ وَإِذَا طَلَقْتُمُ النِّسَاءَ
فَلْيُغْنِ أَجَلُهُنَّ فَلَا تَعْصُلُوهُنَّ أَنْ يَنْكِحْنَ
أَزْوَاجَهُنَّ إِذَا تَرَاضَوْا بَيْنَهُنَّ بِالْمَعْرُوفِ ۚ ذَلِكَ
يُوعِظُ بِهِ مَنْ كَانَ مِنْكُمْ يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ
الْآخِرِ ۚ ذَلِكَمْ آزَكَىٰ لَكُمْ وَأَطْيَرُ ۚ وَاللَّهُ يَعْلَمُ وَأَنْتُمْ
لَا تَعْلَمُونَ ۚ وَالْوَالِدُ الَّذِي يُرْضِعُنَّ أَوْلَادَهُنَّ

હુદુલ્લાહિ યુબયિનુહા લિ-ફપમિય
અલ્લાહકી હદે હું જિન્હે બયાન કરતા હૈ

યર-લમૂન ૦ વ ઘઝા તલ્લફતુમુન
દાનિશમન્દો કે લિએ. ઓર જબ તુમ

નિસાઆ ફ-બલરના અ-જ-લહુન્ના
ઓરતો કોતલાક દો ઓર ઉનકી મીઆદ આ લગે

ફ-અમ્સિફહુન્ના બિ-મર-રૂફિન અપ
તો ઉસ વક્ત તક યા ભલાઈ કે સાથ રોક લો યા

સરરિફહુન્ના બિ-મર-રૂફિવ વ વલા
નિકોઈ કે સાથ છોળ દો ઓર

તુમ્સિફહુન્ના દિરાલ લિ-તર-તદૂ ૮
ઉન્હે ઝરર દેને કે લિએ રોકના ન હો, કે હદ સે બળ્હો,

વ મંય ચફ-અલ માલિકા ફ-ફદ મ-લમા નફ-સહ ૭ વલા તત્તખિમૂ
ઓર જો ઐસા કરે વો અપના હી નુકસાન કરતા હૈ ઓર

આયાતિલાહિ હુમુવા ૭ વમ્ફુરૂ નિર-મતલાહિ અલયકુમ વમો
અલ્લાહકી આયતો કો ઠઠા ન બના લો ઓર યાદ કરો અલ્લાહ કા એહસાન જો તુમપર હૈ ઓર વો જો

અન્નાલા અલયકુમ મિનલ કિતાબિ વલ હિફ-મતિ ચધમુકુમ બિહ ૭
તુમપર કિતાબ ઓર હિકમત ઉતારી નસીહત દેને કો,

વત્તફુલાહા વર-લમૂ અન્નલાહા બિ-ફુલ્લિ શય્ધન અલીમ ૮ વ ઘઝા
ઓર અલ્લાહસે ડરતે રહો ઓર જાન રખ્ખો કે અલ્લાહ સબકુછ જાનતા હૈ. ઓર જબ

તલ્લફતુમુન નિસાઆ ફ-બલરના અ-જ-લહુન્ના ફલા તર-દુલૂહુન્ના
તુમ ઓરતો કો તલાક દો ઓર ઉનકી મીઆદ પૂરી હો જાએ તો અય ઓરતો કે વાલિયો ઉન્હે ન રોકો

અંય ચન્કિહુના અમવા-જહુન્ના ઘઝા તરાદવ બય-નહુમ બિલ મર-રૂફ ૭
ઈસસે કે અપને શીહરો સે નિકાહ કરલે જબકે આપસમે મુવાફિકે શરઅ રજામન્દ હો જાએ.

માલિકા યૂ-અમુ બિહી મન કાના મિન્કુમ યુર-મિનુ બિલાહિ વલ ચપ્મિલ
યે નસીહત ઉસે દો જાતી હૈ જો તુમમેસે અલ્લાહ ઓર કયામત પર ઈમાન રખતા હો,

આખિર ૭ માલિકુમ અમકા લકુમ વ અત્હર ૭ વલાહુ ચર-લમુ
યે તુમ્હારે લિએ ઝિયાદા સુથરા ઓર પાકીજા હૈ ઓર અલ્લાહ જાનતા હૈ

વ અન્તુમ લા તર-લમૂન ૦ વલ વાલિદાતુ યુરદિરના અપ્લા-દહુન્ના
ઓર તુમ નહી જાનતે. ઓર માએ દૂધ પિલાએ અપને બચ્ચો કો

حَوْلَيْنِ كَامِلَيْنِ لِمَنْ أَرَادَ أَنْ يُتِمَّ الرَّضَاعَةَ
وَعَلَى الْوَلَدِ لَهُ رِزْقُهُنَّ وَكِسْوَتُهُنَّ بِالْمَعْرُوفِ
لَا تُكَلَّفُ نَفْسٌ إِلَّا وُسْعَهَا لَا تُضَارَّ وَالِدَةٌ
بِوَلَدِهَا وَلَا مَوْلُودٌ لَهُ بِوَلَدِهِ وَعَلَى الْوَارِثِ
مِثْلُ ذَلِكَ فَإِنْ أَرَادَا فِصَالًا عَنْ تَرَاضٍ مِنْهُمَا
وَتَشَاوُرٍ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْهِمَا وَإِنْ أَرَدْتُمْ أَنْ
تَسْرِعُوا فَأُولَادُكُمْ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِذَا سَلَّمْتُمْ
مَا آتَيْتُم بِالْمَعْرُوفِ وَاتَّقُوا اللَّهَ وَاعْلَمُوا أَنَّ
اللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ وَالَّذِينَ يَتَّقُونَ
مِنْكُمْ وَيَذَرُونَ أَزْوَاجًا يَتَرَبَّصْنَ بِأَنْفُسِهِنَّ
أَرْبَعَةَ أَشْهُرٍ وَعَشْرًا فَإِذَا بَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ
فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِي مَا فَعَلْنَ فِي أَنْفُسِهِنَّ
بِالْمَعْرُوفِ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ وَلَا

جُنَاحَ عَلَيْكُمْ

مَثَلًا

हृत्पल्यनि कामिलयनि लि-मन अरादा
पूरे दो बरस, उसके दिने जे

अंय युतिभर रदाअह ५ व अलल मप्लूदि
दूध की मुदत पूरी करनी चाहे, और जिसका बच्चा है
लहू रिमकुहुण्णा व किस्वतुहुण्णा मिल
उसपर औरतोंका जाना और पछेनना है

मर-रूह ५ ला तुक्ल्लहु नहसुन धल्ला
उसके दस्तूर, किसी ज्ञान पर जो न रब्बा जमेगा मगर
पुस्अहा ८ ला तुद्दार्हा वालि-दतुम
उसके मकदूर भर, मां को जरूर न दिया जाये

लि-व-लदिहा वला मप्लूदल लहू
उसके बच्चे से, और न औलाद वालेको

लि-व-लदिही ५ व अलल वारिसि मिस्लु मालिक ८
उसकी औलाद से, या मां जरूर न दे अपने बच्चे को और न औलादवाला अपनी औलाद को,

ह-धन अरादा हिसालन अन तरादिम मिन्हुमा व तशापुरिन
और जो आप का कर्म मकाम है उसपर भी ऐसा ही वाजिब है, फिर अगर मां-आप दोनों आपस की रजा

हला जुनाहा अलयहिमा ५ व धन अरत्तुम अन तस्तरदिहि
और मश्वरे से दूध छुणाना चाहे तो उनपर गुनाह नहीं, और अगर तुम चाहो के दाँध्यों से

अप्ला-दकुम हला जुनाहा अलयकुम धमा सल्लम्तुम मो आतय्तुम
अपने बच्चों को दूध पिलवाओ तो भी तुमपर मुजायका नहीं जबके जे देना ठेहरा था

मिल मर-रूह ५ वत्तकुल्लाहा वर-लमू अन्नल्लाहा जिमा तर-मलूना
भलाईके साथ उन्हें अन्न करदो, और अल्लाहसे उरते रहो और ज्ञान रब्बो के अल्लाह तुम्हारे काम

भसीर ० वल्लमीना यु-तपह-हपना मिन्हुम व य-मरूना अमवाजंय
देख रहा है. और तुममें जो मरें और बीबियां छोड़ें

य-तर-भसूना लि-अन्हुसिहिण्णा अर-भ-अता अशहुरिप् व अशरा ८
वो चार महीने दस दिन अपने आपको रोके रहें,

ह-धमा भलरना अ-ज-लहुण्णा हला जुनाहा अलयकुम ही मा हअल्ला
तो जब उनकी छुदत पूरी हो जाये तो अय वालियो तुमपर मुआपजा नहीं उस काममें जे औरतें

ही अन्हुसिहिण्णा मिल मर-रूह ५ वल्लाहु जिमा तर-मलूना भसीर ० वला
अपने मुआमले में मुवाफिके शरअ करें, और अल्लाहकी तुम्हारे कामोंकी ખબर है. और

جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِيمَا عَرَضْتُمْ بِهِ مِنْ خُطْبَةِ النِّسَاءِ
أَوْ أَكْنُتُمْ فِي أَنْفُسِكُمْ عَلِمَ اللَّهُ أَنَّكُمْ سَتَذْكُرُونَهُنَّ
وَلَكِنْ لَا تُوَاعِدُوهُنَّ سِرًّا إِلَّا أَنْ تَقُولُوا قَوْلًا
مَعْرُوفًا وَلَا تَعْرِضُوا عَقْدَةَ النِّكَاحِ حَتَّى يَبْلُغَ
الْكِتَابُ أَجَلَهُ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا فِي أَنْفُسِكُمْ
فَاحْذَرُوهُ ۚ وَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ غَفُورٌ حَلِيمٌ ۝
لَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ إِنْ طَلَقْتُمْ النِّسَاءَ مَا لَمْ تَمْسُوهُنَّ
أَوْ تَفْرِضُوا لَهُنَّ فَرِيضَةً ۚ وَمَتَّعُوهُنَّ عَلَى الْمَوْسِعِ
قَدَرًا وَعَلَى الْبُقْعَةِ قَدَرًا ۚ مَتَاعًا بِالْمَعْرُوفِ ۚ
حَقًّا عَلَى الْبُحْسَيْنِ ۝ وَإِنْ طَلَقْتُمُوهُنَّ مِنْ
قَبْلِ أَنْ تَمْسُوهُنَّ وَقَدْ فَرَضْتُمْ لَهُنَّ فَرِيضَةً
فَنِصْفُ مَا فَرَضْتُمْ إِلَّا أَنْ يَعْفُونَ أَوْ يَعْفُوا
الَّذِي بَيْنَهُمَا عَقْدَةُ النِّكَاحِ ۚ وَأَنْ تَعْفُوا

أَقْرَبُ لِلْعَفْوِ

مَنْزِلًا

52

जुनाह। अलयकुम हीमा अर-रदतुम
तुमपर गुनाह नहीं उस बातमें जो परदा रचकर
बिही भिन भिन्नतिन निसाध अ
तुम औरतोंके निकाह का पयाम दो या
अकनन्तुम ही अन्कुसिकुम ७ अलिमल्लाहु
अपने दिलमें छुपा रण्णो, अल्लाह जानता है
अन्नकुम स-तमकुदू-नहुण्ण।
के अब तुम उनकी याद करोगे
व लाकिल्ला तुवाधदुण्ण। सिरन धल्लो
हां उनसे भुझिया वा'दा न कर रण्णो मगर
अन तकुलू कुवलम मर-रूहा ८
ये के छतनी बात कछो जो शरअ में मा'रूक है,

वला तर-मिभू उर-दतन निकाहि हत्ता यल्लुगल किताबु
और निकाह की गिरह पक्की न करो जबतक लिखा हुआ हुकम अपनी भीआद को न पहुँच ले,
अ-जलह ७ वर-लमू अन्नल्लाह। यर-लमु मा ही अन्कुसिकुम
और जान लो के अल्लाह तुम्हारे दिल की जानता है
इह-मरूह ८ वर-लमू अन्नल्लाह। गइरुन हलीम ८ ला जुनाह।
तो उससे डरो, और जान लो के अल्लाह बप्शानेवाला हिल्मवाला है। तुमपर कुछ मुतालबना नहीं
अलयकुम धन तल्लकुतुमुन निसाया। मा लम तमस्सुहण्ण। अप् तहरिदू
तुम औरतोंको तलाक दो जबतक तुमने उनको हाथ न लगाया हो, या कोई महेर
लहुण्ण। इरीदह ९ व मत्तिउिहुण्ण ८ अलल मूसिध इ-दरुहू व अलल
मुकरर कर दिया हो, और उनको कुछ भरतने को दो, मकदूर वाले पर उसके लायक और
मुक्तिरि इ-दरुह ८ मताअम भिल मर-रूह ८ हक्कन अलल मुहसिनीन ०
तंगदस्त पर उसके लायक, उसने दस्तूर कुछ भरतने की थी, ये वाजिब है तलाक वालों पर।
व धन तल्लकुतुमूहण्ण। भिन इल्लि अन तमस्सुहण्ण। व इह इ-रदतुम
और अगर तुमने औरतोंको ने छूअे तलाक देदी और उनके लिये कुछ
लहुण्ण। इरी-दतन इ-निरु मा इ-रदतुम धल्लो अंय यर-रूना।
महेर मुकरर कर चुके थे तो जितना ठेहरा था उसका आधा वाजिब है मगर ये के औरतें कुछ छोण दें
अप् यर-कुवल लगी भि-यदिही उर-दतुन निकाह ७ व अन तर-रू
या वो जियादा दे जिसके हाथमें निकाह की गिरह है, औरअयमरदोतुम्हाराजियादादेना

أَقْرَبُ لِلتَّقْوَى ۖ وَلَا تَنسُوا الْفَضْلَ بَيْنَكُمْ ۚ
 إِنَّ اللَّهَ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۝ خُذُوا عَلَى الصَّلَوَاتِ
 وَالصَّلَاةِ الْوُسْطَىٰ وَقُومُوا لِلَّهِ قَانِتِينَ ۝
 فَإِنْ خِفْتُمْ فَرِجَالًا أَوْ رُكْبَانًا ۖ فَإِذَا أَمِنْتُمْ
 فَأَذْكُرُوا اللَّهَ كَمَا عَلَّمَكُمْ تَلَا ۚ تَكُونُوا تَعْلَمُونَ ۝
 وَالَّذِينَ يُتَوَفَّوْنَ مِنْكُمْ وَيَذَرُونَ أَزْوَاجًا
 وَصِيَّةً لِّأَزْوَاجِهِمْ مَّتَاعًا إِلَى الْحَوْلِ غَيْرِ
 إِخْرَاجٍ ۚ فَإِنْ خَرَجْنَ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ فِي مَا
 فَعَلْنَ فِي أَنْفُسِهِنَّ مِنْ مَّعْرُوفٍ ۚ وَاللَّهُ عَزِيزٌ
 حَكِيمٌ ۝ وَلِلْمُطَلَّقاتِ مَتَاعٌ بِمَا لَمْ يَكُنَ عَلَيْهِمْ
 عَلَى الْمُتَّقِينَ ۚ كَذَلِكَ يُبَيِّنُ اللَّهُ لَكُمْ آيَاتِهِ
 لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ۝ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ خَرَجُوا
 مِنْ دِيَارِهِمْ وَهُمْ أُلُوفٌ حَذَرَ الْمَوْتِ ۚ

فَتَال

مَنْزِلًا

53

अक-२नु लिक्तइवा ७ वला तन्सपुल
 परहेजगारी से नजदीक तर है, और

इदला अय-नकुम ७ धन्नल्लाहा जिमा
 आपसमें अकदूसरे पर अइसान के नमुदाये, बेशक अल्लाह

तर-मलून। असीर ० हाकिमू अलस
 तुम्हारे काम देभ रहा है. निगेहबानी करो

स-लवाति वस्सलातिल पुस्ता ७ व इमू
 सभ नमाजों की और भीयकी नमाज की, और भणे हो

लिल्लाहि कानितीन ० इ-धन जिह्नुम
 अल्लाह के हुजूर अदब से. फिर अगर भीकमें हो

इ-रिजालन अय् रुकभाना ८
 तो ध्यादा या सवार जैसे बन पणे,

इ-धमों अमिन्तुम इमकुल्लाहा कमा अल्ल-मकुम मा लम
 फिर जब इत्मीनान से हो तो अल्लाह की याद करो जैसा उसने सिखाया जे

तकूनू तर-लमून ० वल्लमिना यु-तपइ-इप्ना मिन्कुम व
 तुम न जानते थे. और जे तुममें मरें और

य-मरून। अमवाज्व ८ वसियतल लि-अमवाजिहिम
 बीबियां छोण जअें वो अपनी औरतों के लिअे वसियत कर जअें

मताअन धलल हवलि गयरा धराज ८ इ-धन अरजना इला जुनाहा
 साल भर तक नान नइका देने की बे निकावे, फिर अगर वो जुद निकल जअें तो

अलयकुम ही मा इअला ही अन्हुसिहिन्ना मिम मररूइ ७
 तुमपर उसका मुआमला नहीं जे उन्होंने अपने मुआमले में मुनासिब तौर पर किया

वल्लाहु अमीगुन हकीम ० व लिल मुतल्लफाति मताअिम जिल मररूइ ७
 और अल्लाह गालिब हिकमत वाला है. और तलाक वालियों के लिअे भी मुनासिब तौर पर नानो नइका है,

हइइन अलल मुत्तफीन ० कगालिका युअय्यिनुल्लाहु लकुम
 ये वाजिब है परहेजगारों पर. अल्लाह यूँही बयान करता है तुम्हारे लिअे

आयातिही लअल्लकुम तर-किलून ८ अ-लम तरा धलल लमिना
 अपनी आयतों के कही तुम्हें समझ हो. अय मइभूज क्या तुमने न देभा था उन्हें जे

अ-रजू मिन हियारिहिम व हुम उलूकुन ह-मरल मौत ८
 अपने घरों से निकले और वो हजारों थे मौत के दर से

فَقَالَ لَهُمُ اللَّهُ مُوتُوا ثُمَّ أَحْيَاهُمْ إِنَّ اللَّهَ
لَذُو فَضْلٍ عَلَى النَّاسِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ
لَا يَشْكُرُونَ ۝ وَقَاتِلُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَاعْلَمُوا
أَنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ عَلِيمٌ ۝ مَنْ ذَا الَّذِي يَفْرِضُ اللَّهُ
قَرَضًا حَسَنًا فَيُضِعُّهُ لَكَ أَضْعَافًا كَثِيرَةً ۝
وَاللَّهُ يَقْضِي وَبِصْطٍ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ۝
أَلَمْ تَرَ إِلَى الْهَلَاءِ مِنْ بَنِي إِسْرَءِيلَ مِنْ بَعْدِ
مُوسَى إِذْ قَالُوا لِلَّهِ لَبَّيْ لَّهُمْ ابْعَثْ لَنَا مَلِكًا نَقَاتِلَ
فِي سَبِيلِ اللَّهِ ۝ قَالَ هَلْ عَسَيْتُمْ إِنْ كُتِبَ
عَلَيْكُمُ الْقِتَالُ أَلَّا تُقَاتِلُوا ۝ قَالُوا وَمَا لَنَا أَلَّا
نُقَاتِلَ فِي سَبِيلِ اللَّهِ وَقَدْ أَخْرَجَنَا مِنْ دِيَارِنَا
وَأَبْنَاءِنَا فَلَمَّا كُتِبَ عَلَيْهِمُ الْقِتَالُ تَوَلَّوْا
إِلَّا قَلِيلًا مِّنْهُمْ ۝ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِالظَّالِمِينَ ۝

મન ઝલ્લાહી યુફિરદુલ્લાહી

હૈ કોઈ જો અલ્લાહકો

અદ્અફન કસીરહ ૫

બહુત ગુના બળ્હા દે,

વ ઇલય્હિ તુર-જ઼િન ૦

ઔર તુમ્હે ઉસીકી તરફ ફિર જાના.

મિમ બની ઇસરાઈલ મિમ બરદિ મૂસા ૫ ઇમ્મ કાલૂ લિ-નબિયિલ

બની ઇસરાઈલ કે એક ગિરોહ કો જો મૂસા કે બાદ હુવા, જબ અપને એક પૈગમ્બર સે બોલે

લહુમુબ્-અસ લના મલિકન નુફાતિલ ફી સબીલિલ્લાહ ૫ કાલા હલ

હમારે લિએ ખળા કર દો એક બાદશાહ કે હમ ખુદા કી રાહમેં લળે, નબી ને ફરમાયા કે

અસય્તુમ ઇન કુતિબા અલય્કુમુલ કિતાલુ અલ્લા તુફાતિલૂ ૫

તુમ્હારે અન્દાઝ ઔસે હૈં કે તુમપર જિહાદ ફર્જ કિયા જાએ તો ફિર ન કરો,

કાલૂ વમા લનો અલ્લા નુફાતિલા ફી સબીલિલ્લાહિ વ ફદ ઉખરિજના

બોલે હમેં ક્યા હુવા કે હમ અલ્લાહ કી રાહ મેં ન લળે હાલાંકે હમ નિકાલે ગએ હૈં

મિન દિયારિના વ અબ્નાઇના ૫ ફ-લમ્મા કુતિબા અલય્હિમુલ કિતાલુ

અપને વતન ઔર અપની ઔલાદ સે, તો ફિર જબ ઉનપર જિહાદ ફર્જ કિયા ગયા

તવલ્લવ્ ઇલ્લા ફલીલમ મિન્હુમ ૫ વલ્લાહુ અલીમુમ બિમ્મ ઝાલિમીન ૦

મુંહ ફેર ગએ મગર ઉનમેંકે થોળે, ઔર અલ્લાહ ખૂબ જાનતા હૈં આલિમોં કો.

ફ-કાલા લહુમુલ્લાહુ મૂતૂ ૫ સુમ્મા

તો અલ્લાહને ઉનસે ફરમાયા મર જાઓ, ફિર

અદ્અહુમ ૫ ઇન્નલ્લાહા લ-ઝૂ ફદલિન

ઉન્હેં બિન્દા ફરમાદિયા, બેશક અલ્લાહ

અલન નાસિ વ લાકિન્ના અક-સરન

લોગોં પર ફઝલ કરને વાલા હૈ મગર અકસર

નાસિ લા યરફૂરૂન ૦ વ ફાતિલૂ

લોગ નાશુકરે હૈં. ઔર લળો

ફી સબીલિલ્લાહિ વર-લમૂ

અલ્લાહકી રાહમેં ઔર જાન લો

અન્નલ્લાહા સમીઉન અલીમ ૦

કે અલ્લાહ સુનતા જાનતા હૈં.

કરદન હ-સનન ફ-યુદાઇ-ફદૂ લદ્દૂ

કરઝે હસન દે તો અલ્લાહ ઉસકે લિએ

વલ્લાહુ યફિબદુ વ યબ્સુતુ ૫

ઔર અલ્લાહ તંગી ઔર કુશાઈશ કરતા હૈં

અલમ તરા ઇલલ મ-લઇ

અય મહબૂબ ક્યા તુમને ન દેખા

ઇમ્મ કાલૂ લિ-નબિયિલ

જબ અપને એક પૈગમ્બર સે બોલે

લહુમુબ્-અસ લના મલિકન નુફાતિલ ફી સબીલિલ્લાહ ૫ કાલા હલ

હમારે લિએ ખળા કર દો એક બાદશાહ કે હમ ખુદા કી રાહમેં લળે, નબી ને ફરમાયા કે

અસય્તુમ ઇન કુતિબા અલય્કુમુલ કિતાલુ અલ્લા તુફાતિલૂ ૫

તુમ્હારે અન્દાઝ ઔસે હૈં કે તુમપર જિહાદ ફર્જ કિયા જાએ તો ફિર ન કરો,

કાલૂ વમા લનો અલ્લા નુફાતિલા ફી સબીલિલ્લાહિ વ ફદ ઉખરિજના

બોલે હમેં ક્યા હુવા કે હમ અલ્લાહ કી રાહ મેં ન લળે હાલાંકે હમ નિકાલે ગએ હૈં

મિન દિયારિના વ અબ્નાઇના ૫ ફ-લમ્મા કુતિબા અલય્હિમુલ કિતાલુ

અપને વતન ઔર અપની ઔલાદ સે, તો ફિર જબ ઉનપર જિહાદ ફર્જ કિયા ગયા

તવલ્લવ્ ઇલ્લા ફલીલમ મિન્હુમ ૫ વલ્લાહુ અલીમુમ બિમ્મ ઝાલિમીન ૦

મુંહ ફેર ગએ મગર ઉનમેંકે થોળે, ઔર અલ્લાહ ખૂબ જાનતા હૈં આલિમોં કો.

وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ إِنَّ اللَّهَ قَدْ بَعَثَ لَكُمْ طَالُوتَ
مَلِكًا. قَالُوا أَنَّى يَكُونُ لَهُ الْمُلْكُ عَلَيْنَا وَنَحْنُ
أَحَقُّ بِالْمُلْكِ مِنْهُ وَلَمْ يُؤْتَ سَعَةً مِنَ الْمَالِ.
قَالَ إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَاهُ عَلَيْكُمْ وَزَادَهُ بَسْطَةً
فِي الْعِلْمِ وَالْجِسْمِ. وَاللَّهُ يُؤْتِي مُلْكَهُ مَن
يَشَاءُ. وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيمٌ. وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ
إِنَّ آيَةَ مَلِكِهِ أَنْ يَأْتِيَكُمُ التَّابُوتُ فِيهِ
سَكِينَةٌ مِّنْ رَبِّكُمْ وَبَقِيَّةٌ مِّمَّا تَرَكَ آلُ مُوسَى
وَالْهَارُونَ تَحْمِلُهُ الْمَلَائِكَةُ. إِنَّ فِي ذَلِكَ
لَآيَةً لِّكُمُ إِن كُنتُمْ مُّؤْمِنِينَ. قَالُوا فَاتِمَّا فَصَلِّ
طَالُوتَ بِالْجُنُودِ. قَالَ إِنَّ اللَّهَ مُبْتَلِيكُمْ
بِنَهَرٍ. فَمَنْ شَرِبَ مِنْهُ فَلَيْسَ مِنِّي. وَمَنْ
لَمْ يَطْعَمْهُ فَإِنَّهُ مِنِّي إِلَّا مَنِ اغْتَرَفَ غُرْفَةً

سورة النور

مكة

55

વ ફાલા લહુમ નબિય્યુહુમ ઇન્નલ્લાહા
ઔર ઉનસે ઉનકે નબી ને ફરમાયા, બેશક અલ્લાહને
ફદ બ-અસા લહુમ તાલૂતા મલિકા
તાલૂત કો તુમ્હારા બાદશાહ બનાકર ભેજા હે,
કાલૂ અન્ના યકૂનુ લહુલ મુલ્કુ અલયના
બોલે ઉસે હમપર બાદશાહી ક્યૂંકર હોગી
વ નહુનુ અ-હફ્ફુ બિલ મુલ્કિ મિન્હુ
ઔર હમ ઉસસે જિયાદા સલ્તનત કે મુસ્તાહિક હું
વ લમ યુર-તા સ-અતમ મિનલ માલ
ઔર ઉસે માલમેં ભી વુસઅત નહીં દી ગઈ,
ફાલા ઇન્નલ્લાહસ્-તફાહુ અલયકુમ
ફરમાયા ઉસે અલ્લાહને તુમપર યુન લિયા

વ ઝા-દહૂ બસ્તતન ફિલ ઇલ્મિ વલ જિસ્મ વલ્લાહુ
ઔર ઉસે ઇલ્મ ઔર જિસ્મ મેં કુશાદગી જિયાદા દી ઔર અલ્લાહ

યુર-તી મુલ્કહૂ મંય યશાઅ વલ્લાહુ વાસિઉન અલીમ
અપના મુલ્ક જિસે ચાહે દે ઔર અલ્લાહ વુસઅત વાલા ઇલ્મવાલા હે.

વ ફાલા લહુમ નબિય્યુહુમ ઇન્ના આ-યતા મુલ્કિહી અંય
ઔર ઉનસે ઉનકે નબી ને ફરમાયા, ઉસકી બાદશાહી કી નિશાની યે હે કે

યર-તિ-યકુમુત તાબૂતુ ફીહિ સકી-નતુમ મિર રઘ્બિકુમ વ બફિય્યતુમ
આએ તુમ્હારે પાસ તાબૂત જિસમેં તુમ્હારે રબ કી તરફ સે દિલોંકા ચૈન હે ઔર

મિમ્મા ત-રકા આલુ મૂસા વ આલુ હારૂના તહમિલુહુલ મલ્લાઈકહ
કુછ બચી હુઈ ચીઝેં મુઅઝ્જઝ મૂસા ઔર મુઅઝ્જઝ હારૂન કે તરકે કી, ઉઠાતે લાએંગે ઉસે ફરિશ્તે

ઇન્ના ફી મ્માલિકા લ-આ-યતલ લહુમ ઇન કુન્તુમ મુર-મિનીન
બેશક ઇસમેં બળી નિશાની હે તુમ્હારે લિએ અગર ઇમાન રખતે હો.

ફ-લમ્મા ફ-સલા તાલૂતુ બિલ જુનૂદિ વ ફાલા ઇન્નલ્લાહા
ફિર જબ તાલૂત લશ્કરોં કો લેકર શહેર સે જુદા હુવા, બોલા, બેશક અલ્લાહ

મુબ્તલીકુમ બિ-નહર હ ફ-મન શરિબા મિન્હુ ફ-લય્સા મિન્ની હ
તુમ્હેં એક નહર સે આઝમાને વાલા હે, તો જો ઉસકા પાની પિએ વો મેરા નહીં

વ મલ્લમ યત્અમ્હુ ફ-ઇન્નહૂ મિન્ની ઇલ્લા મનિગ્-ત-રફા ગુર-ફતમ
ઔર જો ન પિએ વો મેરા હે, મગર વો જો એક ચુલ્હુ અપને હાથસે લેલે

بَيِّنَاتٍ ۖ فَنُفِثُوا مِنْهُ إِلَّا قَلِيلًا مِّنْهُمْ ۖ فَلَمَّا
جَاوَزَهُ هُوَ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ قَالُوا لَا طَاقَةَ
لَنَا الْيَوْمَ بِجَالُوتَ وَجُنُودِهِ ۚ قَالَ الَّذِينَ يَظُنُّونَ
أَنَّهُمْ مُّلتَقُوا اللَّهَ ۚ كَم مِّن فِتْنَةٍ قَلِيلَةٍ غَلَبَتْ
فِتْنَةٌ كَثِيرَةً بِإِذْنِ اللَّهِ ۚ وَاللَّهُ مَعَ الصَّابِرِينَ
وَلَمَّا بَرَزُوا لِجَالُوتَ وَجُنُودِهِ قَالُوا رَبَّنَا أَفْرِغْ
عَلَيْنَا صَبْرًا وَثَبِّتْ أَقْدَامَنَا وَانصُرْنَا عَلَى
الْقَوْمِ الْكَافِرِينَ ۖ فَهَزَمُوهُمْ بِإِذْنِ اللَّهِ ۖ
وَقَتَلَ دَاوُدُ جَالُوتَ وَآتَاهُ اللَّهُ الْمُلْكَ وَالْ
حِكْمَةَ وَعَلَّمَهُ مَا يَشَاءُ ۚ وَلَوْلَا دَفْعُ اللَّهِ
النَّاسَ بَعْضَهُم بِبَعْضٍ لَّفَسَدَتِ الْأَرْضُ وَلَكِنَّ
اللَّهَ ذُو فَضْلٍ عَلَى الْعَالَمِينَ ۖ تِلْكَ آيَاتُ اللَّهِ
تَنْزِيلُهَا عَلَيْكَ يَا حَقُّ ۖ وَإِنَّكَ لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ ۝

تِلْكَ الْآيَاتُ

مَنْزِلُهَا

۝

जि-यदिह ८ इ-शरिजू मिन्दु घल्ला
तो सबने उससे पिचा मगर
इलीलम मिन्दुम ७ इ-लम्मा ज-व-महू
थोणोंने, फिर जब तालूत और उसके
हुवा पल्लगीना आ-मनू म-अहू १ इलू
साथके मुसलमान नहर के पार गये, बोले
ला ता-इता लनल यप्मा जि-जलूता
उममें आज ताकत नहीं जलूत
व जुनूदिह ७ इलल लगीना
और उसके लश्करो की, बोले वो जिन्हें
यमुन्नूना अन्नहुम मुलाकुल्लाहि १
अल्लाह से मिलने का यकीन था

कम मिन इ-अतिन इली-लतिन ग-लमत इ-अतन कसी-रतम
के भारहा कम जमाअत गालिब आई है जियादा गिरोह पर

जि-धमनिल्लाह ७ पल्लाहु मअस साबिरीन ० व लम्मा
अल्लाह के हुकम से, और अल्लाह साबिरीके साथ है. फिर जब

ज-रमू लि-जलूता व जुनूदिही इलू रज्जनों अइरिग अलयना
सामने आये जलूत और उसके लश्करो के, अर्ज की अय रब हमारे ! हमपर सभ्र उठे

सज्जंप् व सज्जित अइदा-मना पन्सुरना अलल इप्मिल काइरीन ०
और हमारे पांच जमे रब, काफिर लोगों पर हमारी मदद कर.

इ-ह-ममूहुम जि-धमनिल्लाह १ व इ-तला दापूहु जलूता व
तो उन्होंने उनको लगा दिया अल्लाह के हुकम से, और कत्ल किया दाउद ने जलूत को, और

आताहुल्लाहुल मुल्का पल हिक्-मता व अल्ल-महू मिम्मा यशाअ् ७ व
अल्लाह ने उसे सलतनत और हिकमत अता करमाई और उसे जो चाहा सिखाया और

लप्ला दइउल्लाहिन नासा जय-दहुम जि-जय-दिल १ ल-इ-स-दतिल अरदु
अगर अल्लाह लोगोंमें भा'ज से भा'ज को दफा' न करे तो ज़रूर जमीन तबाह हो जाये

व लाकिन्निल्लाहा मू इदलिन अलल आ-लमीन ० तिल्का आयातुल्लाहि
मगर अल्लाह सारे जहान पर इजल करनेवाला है. ये अल्लाह की आयतें हैं

नल्लूहा अलय्का मिल हक्क ७ व धन्नका ल-मिनल मुर-सलीन ०
के हम अय महबूब तुमपर ठीक ठीक पण्डते हैं और तुम बेशक रसूलोंमें हो.